गुरुवार, 10 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान 34 – 25
आर्द्रता 74%
सूर्योदय: 5:21 सूर्यास्त: 17:55

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, चैत्र शुक्लपक्ष त्रयोदशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : जो दूसरों का सहारा ढूंढ़ता है, वह सत्यस्वरूप भगवान् की सेवा नहीं कर सकता।

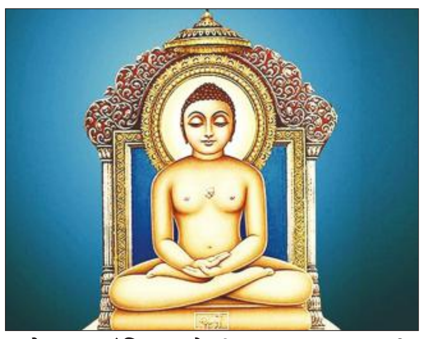

सदैव प्रासंगिक रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी –पृष्ठ 2

बंगाल में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं होने देंगे : ममता

- मुस्लिम समुदाय को किया आश्वस्त– वह अल्पसंख्यकों की ओंर उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी
- मुख्यमंत्री ने कहा– बंगाल में फूट डालो, राज करो की नीति नहीं चलने देंगे

नवकार महामंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लिया मुनिश्री जिनेश कुमार जी ठाणा–3 का आशीर्वाद (पृष्ठ 3)

कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि केंद्र का नया वक्फ संशोधन कानून बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप (मुसलमान) बहुत दुखी हैं। आप भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता ने लोगों से उन लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं। बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मंगलवार को हुई हिंसा का जिक्र करते हुए ममता ने कहा, बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति देखिए। वक्फ विधेयक को अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था।

मालूम हो कि वक्फ संशोधन विधेयक तीन अप्रैल को लोकसभा द्वारा और उसके अगले दिन तड़के लंबी बहस के बाद राज्यसभा द्वारा पारित कर दिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी और मंगलवार को गृह मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी होने के बाद यह कानून देशभर में लागू हो गया है।

ममता ने कहा, इतिहास बताता है कि बंगाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत सभी एक साथ थे। विभाजन बाद में हुआ और जो लोग यहां रह रहे हैं, उन्हें सुरक्षा देना हमारा काम है। ममता ने कहा कि अगर लोग एकजुट हों तो वे दुनिया जीत सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग आपको इकट्ठा होने और आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाएंगे। मैं आप सभी से ऐसा न करने की अपील करूंगी। कृपया याद रखें कि जब दीदी (बनर्जी) यहां हैं, तो वह आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। हमें एक-दूसरे पर भरोसा रखना होगा।

सीएए और नई शिक्षा नीति का भी कर चुकी हैं विरोध

बताते चलें कि ममता इससे पहले नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), केंद्र की नई शिक्षा नीति (एनईपी) सहित पिछले साल देश में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों का भी पुरजोर विरोध कर चुकी हैं। उन्होंने सीएए को लेकर भी कहा था कि वह बंगाल में इसे लागू नहीं होने देंगी। हालांकि सीएए पिछले साल पूरे देशभर में लागू हुआ।

'अगर मुझे गोली भी मार देंगे तो भी मुझे एकता से अलग नहीं कर पाएंगे'

ममता ने आगे कहा कि वह सभी धर्मों से जुड़े स्थलों पर जाती हैं और वह ऐसा करना जारी रखेंगी। ममता ने कहा, मुझे कहा जाता है कि आप हर धर्म के कार्यक्रम में क्यों जाती हैं? मैं उनको कहना चाहती हूं कि मैं हमेशा जाती रहूंगी। अगर आप मुझे गोली भी मार देंगे तो भी आप मुझे उस एकता से अलग नहीं कर पाएंगे। हर धर्म, जाति, पंथ... सभी मानवता के लिए प्रार्थना करते हैं और हम उनसे प्यार करते हैं।

ममता ने कहा कि वह दुर्गा पूजा, काली पूजा, जैन और बौद्ध मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च और गुरु रविदास मंदिर जाती हैं।उन्होंने कहा कि राजस्थान में मैंने अजमेर शरीफ के दौरे के साथ-साथ पुष्कर में ब्रह्म मंदिर के भी दर्शन किए।

आरबीआई ने लगातार दूसरी बार रेपो दर में कटौती की

आवास, वाहन कर्ज होंगे सस्ते

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर व्याप्त चिंता के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' करते हुए आने वाले समय में ब्याज दर में एक और कटौती का संकेत दिया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस कदम से आवास, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते हो जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने इसके साथ वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ''छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती कर छह प्रतिशत करने निर्णय किया है।'' एमपीसी में तीन सदस्य केंद्रीय बैंक से, जबकि तीन सदस्य बाहर से होते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार' कर दिया है। इसका मतलब है कि आरबीआई आने वाले समय में जरूरत पड़ने पर नीतिगत दर में और कटौती कर सकता है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है। नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कमी करने का मतलब है कि रेपो दर जैसे बाह्य मानकों पर आधारित कर्ज पर ब्याज दर (ईबीए-लआर) में कमी आएगी। अगर बैंक पूरी तरह से कर्जदाताओं को इस कटौती का लाभ देते हैं तो आवास, वाहन और व्यक्तिगत कर्ज की मासिक किस्त 0.25 प्रतिशत कम हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इससे पहले इस साल फरवरी में मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.25 प्रतिशत किया था। यह मई, 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल के बाद पहला संशोधन था।

तहव्वुर राणा को विशेष विमान से लाया जा रहा है भारत

नयी दिल्ली : मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बृहस्पतिवार को विशेष विमान से भारत लाए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी मूल के 64 वर्षीय कनाडाई नागरिक राणा को लॉस एंजिलिस के 'मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर' में रखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि एक बहु-एजेंसी टीम अमेरिका गई है और राणा को भारत लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ सभी कागजी कार्रवाई और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। प्रत्यर्पण से बचने के राणा के आखिरी प्रयास के विफल होने के बाद उसे भारत लाया जा रहा है, क्योंकि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने उसके आवेदन को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप सभी जानते हैं कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने उसकी याचिका खारिज कर दी है।

ट्रंप बोले– अमेरिका में लूट नामंजूर, चीन पर 125% टैरिफ लगेगा

75 देशों को टैरिफ से 90 दिन की राहत

चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 84 प्रतिशत शुल्क लगाया, 'अंत तक लड़ने' की बात कही

वाशिंगटन : अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध लगातार गहराता जा रहा है। चीन ने अमेरिका पर 84 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगाया था। जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से चीन के खिलाफ टैरिफ को बढ़ा दिया है। ट्रंप ने चीन के खिलाफ टैरिफ को बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। वहीं, 75 देशों को 90 दिनों तक टैरिफ में राहत देने का भी एलान किया है। ट्रंप ने कहा, 'चीन ने दुनिया के बाजारों के प्रति सम्मान नहीं दिखाया है। इसके मद्देनजर मैं अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए गए टैरिफ को 125 फीसदी तक बढ़ा रहा हूं, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उम्मीद है कि चीन भविष्य में इस बात को समझेगा कि अब वह अमेरिका और अन्य देशों से धोखाधड़ी नहीं कर सकता। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत ने बांग्लादेश के लिए पारगमन सुविधा वापस ली

नयी दिल्ली : द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से पश्चिम एशिया, यूरोप और अन्य देशों को निर्यात के लिए बांग्लादेश को दी गई पारगमन (ट्रांसशिपमेंट) सुविधा वापस ले ली है। 'ट्रांसशिपमेंट' का मतलब एक देश से माल दूसरे देश ले जाने के लिए किसी तीसरे देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे या परिवहन मार्ग का अस्थायी उपयोग करना होता है। यह कदम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस द्वारा चीन में दिए गए विवादास्पद बयान के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य, जिनकी बांग्लादेश के साथ लगभग 1,600 किलोमीटर की सीमा लगती है, चारों ओर से जमीन से घिरे हुए हैं तथा इनके पास उनके देश के अलावा महासागर तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। भारत ने नेपाल और भूटान को बांग्लादेशी निर्यात से छूट दी है, क्योंकि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के प्रावधानों के तहत चारों ओर से जमीन से घिरे देशों के लिए व्यापार सुविधा अनिवार्य है। भारत और बांग्लादेश ने 2020 में पारगमन व्यवस्था को लेकर एक समझौता किया था और 2022 में बांग्लादेशी निर्यात के लिए इस सुविधा को औपचारिक रूप से बढ़ा दिया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''बांग्लादेश को दी गई पारगमन सुविधा के कारण पिछले कुछ समय से हमारे हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर काफी भीड़भाड़ हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''साजोसामान संबंधी देरी और ऊंची लागत से हमारे अपने निर्यात में बाधा उत्पन्न हो रही है।'' जायसवाल ने कहा कि आठ अप्रैल से पारगमन सुविधा वापस ले ली गई है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

तार्किक हो पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्य वृद्धि

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय-समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक शृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ-हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर-सवेर सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे-बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई शृंखला पैदा हो जाती है। माल-भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों से वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर कोई कारगर रणनीति बनानी ही होगी। देश का विपक्ष भी बार-बार पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की तार्किकता को लेकर सवाल उठाता रहा है। कुछ लोग इन पदार्थों को जीएसटी के अधीन लाकर मूल्यों को तार्किक बनाने की बात करते हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्य इसे राज्यों के वित्तीय संसाधनों पर केंद्र की दखल के रूप में देखते हैं। लेकिन लगता है कि जब तक दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है केंद्र सरकार पेट्रोलियम पदार्थों को राजस्व जुटाने का जरिया बनाना जारी रखेगी।

सदैव प्रासंगिक रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक बन गया है। आधुनिक युग में जब मानव अपने स्वार्थ और लोभ के वशीभूत होकर किसी भी अनुचित कार्य को करने में संकोच नहीं करता, यहां तक कि अपने लाभ के लिए हिंसा तक को जायज ठहराने लगा है, तब महावीर स्वामी के सिद्धांत हमें नैतिकता, सहिष्णुता और करुणा की ओर लौटने का आह्वान करते हैं। वर्तमान सामाजिक, मानसिक, नैतिक और पर्यावरणीय संकटों से घिरे मानव समाज के लिए भगवान महावीर के विचार और दर्शन समाधान का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने जीवन भर मानवता को ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जो न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं बल्कि व्यावहारिक जीवन में भी शांति, संयम और संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। उनके सिद्धांतों को यदि हम अपने आचरण और व्यवहार में उतार लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन को सार्थकता मिलती है, बल्कि समाज में भी सद्भाव, अहिंसा और करुणा की भावना को बढ़ावा मिलता है। महावीर स्वामी का दर्शन इस बात की शिक्षा देता है कि हर

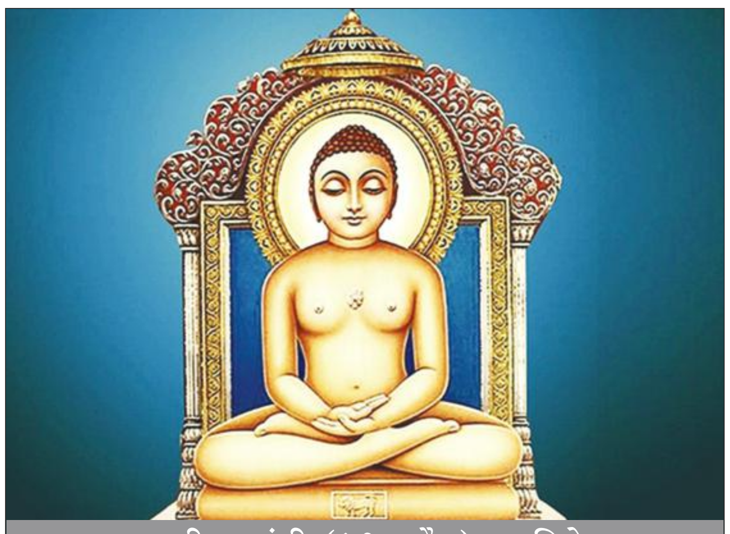

महावीर जयंती (10 अप्रैल) पर विशेष

जीव मात्र के प्रति सम्मान और समता की भावना रखी जाए क्योंकि सभी प्राणी एक समान पीड़ा का अनुभव करते हैं और मुक्ति की आकांक्षा रखते हैं। आज के हिंसा और तनाव से भरे समय में भगवान महावीर का यह जीवन दर्शन मानवता को स्थायी शांति, आत्मशुद्धि और परस्पर सौहार्द की राह दिखाता है। डालते हैं भगवान महावीर के ऐसे ही अमृत वचनों पर नजर:-

- संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए।
- जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिंसा के समान संसार में कोई महान् व्रत नहीं।
- जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए वैर बढ़ाता है।
- धर्म उत्कृष्ट मंगल है और अहिंसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं।
- मानव व पशुओं के समान पेड़-पौधों, अग्नि, वायु में भी आत्मा वास करती है और पेड़ पौधों में भी मनुष्य के समान दुख अनुभव करने की शक्ति होती है।
- संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, इसलिए आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है, वह अहिंसा कभी नहीं हो सकती।
- जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा।
- कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मों को आकृष्ट करती है।
- जिस मनुष्य का मन सदैव अहिंसा, संयम, तप और धर्म में लगा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।
- धर्म का स्थान आत्मा की आंतरिक पवित्रता से है, बाह्य साधन धर्म के एकान्त साधक व बाधक नहीं हो सकते।
- संसार का प्रत्येक प्राणी धर्म का अधिकारी है।
- क्रोध प्रेम का नाश करता है, मान विषय का, माया मित्रता का नाश करती है और लालच सभी गुणों का। जो व्यक्ति अपना कल्याण चाहता है, उसे पाप बढ़ाने वाले चार दोषों क्रोध, मान, माया और लालच का त्याग कर देना चाहिए।
- रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है।
- वासना, विकार व कर्मजाल को काटकर नारी व पुरूष दोनों समान रूप से मुक्ति पाने के अधिकारी हैं।
- जब तक कर्म बंधन है, तब तक संसार मिट नहीं सकता। गति भ्रमण ही संसार है।
- छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिंसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरूषों का धर्म है।
- ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिंसा न करे। यही अहिंसा का विज्ञान है।
- जो लोग कष्ट में अपने धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है।
- संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दंड का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- ब्राह्मण कुल में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं, वही व्यक्ति ब्राह्मण है किन्तु ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिंसाजन्य कार्य करता है तो वह ब्राह्मण नहीं है जबकि नीच कुल में पैदा होने वाला व्यक्ति अगर सुआचरण, सुविचार एवं सुकृत्य करता है तो वह बाह्मण है।
- प्रत्येक प्राणी एक जैसी पीड़ा का अनुभव करता है और हर प्राणी का एकमात्र लक्ष्य मुक्ति ही है।
- आत्मा शरीर से भिन्न है, आत्मा चेतन है, आत्मा नित्य है, आत्मा अविनाशी है। आत्मा शाश्वत है। वह कर्मानुसार भिन्न-भिन्न योनियों में जन्म लेती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

समीक्षा व्यापार

गवर्नर मल्होत्रा ने आगे रेपो दर मे एक और कटौती का संकेत दिया

मुंबई : प्रमुख नीतिगत दर रेपो में लगातार दो बार 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती करने के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को केंद्रीय बैंक के मौद्रिक रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार' करते हुए आगे ब्याज दर में एक और कटौती का संकेत दिया। इससे ग्राहकों के लिए कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) में और कमी आ सकती है। अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा छह जून को की जाएगी। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद अप्रैल की मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई के संदर्भ में, मौद्रिक नीति का रुख भविष्य में नीतिगत दरों की इच्छित दिशा का संकेत देता है। उन्होंने कहा, आगे यदि कोई और झटका नहीं आता है, एमपीसी सिर्फ दो विकल्पों- 'यथास्थिति' या 'दर में कटौती' पर विचार करेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस रुख को सीधे बाजार में नकदी बढ़ाने की स्थिति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मौद्रिक नीति रुख पर विस्तार से बात करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि अंतर-देशीय परिप्रेक्ष्य से, मौद्रिक नीति रुख को आमतौर पर उदार, तटस्थ या सख्त के रूप में परिभाषित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जहां उदार रुख से तात्पर्य आसान मौद्रिक नीति से है, जो नरम ब्याज दर के माध्यम से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की जाती है; वहीं 'सख्ती' से तात्पर्य संकुचनकारी मौद्रिक नीति से है, जिसके तहत खर्च को नियंत्रित करने और आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिसका उद्देश्य मुद्रास्फीति पर लगाम लगाना होता है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.5 प्रतिशत किया

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं की वजह से चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि जलाशयों की बेहतर स्थिति और 2025-26 में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि विनिर्माण गतिविधियों में सुधार के संकेत दिख रहे हैं और कारोबारी उम्मीदें मजबूत बनी हुई हैं, जबकि सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी जुझारू क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं।

मंत्रिमंडल ने 1,878 करोड़ रुपये की जीरकपुर बाईपास परियोजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में 1,878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबी जीरकपुर बाईपास सड़क परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, छह लेन वाला जीरकपुर बाईपास एनएच-7 (जीरकपुर-पटियाला) के जंक्शन से शुरू होगा और एनएच-5 (जीरकपुर-परवाणू) के जंक्शन पर समाप्त होगा। इस बाईपास मार्ग की कुल लंबाई पंजाब और हरियाणा में 19.2 किलोमीटर होगी। बयान के मुताबिक, हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल पर संचालित होने वाली इस परियोजना की कुल पूंजी लागत 1,878.31 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य पटियाला, दिल्ली और मोहाली एयरोसिटी से यातायात का रुख मोड़कर और हिमाचल प्रदेश को सीधा संपर्क प्रदान करके जीरकपुर, पंचकूला और आसपास के क्षेत्रों में भीड़भाड़ को कम करना है।

भारत, रूस ने छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमति जताई

नयी दिल्ली : वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत और रूस द्विपक्षीय निवेश सहयोग को मजबूत करने के लिए छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमत हुए हैं। भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के तहत व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग पर गठित भारत-रूस कार्य समूह (आईआरडब्ल्यूजी-पीआईपी) के एक सत्र के दौरान इस पर सहमति हुई।

कर 'विवाद से विश्वास' योजना के लिए 30 अप्रैल तक घोषणापत्र देना होगा: सीबीडीटी

नयी दिल्ली : आयकर विभाग ने बुधवार को कहा कि कर विवादों के समाधान के लिए संचालित 'विवाद से विश्वास' योजना का लाभ उठाने के इच्छुक करदाताओं को 30 अप्रैल तक घोषणापत्र दाखिल करना होगा। आयकर विभाग ने एक अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई इस योजना के तहत घोषणापत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि पहली बार अधिसूचित की है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 30 अप्रैल, 2025 को अंतिम तिथि अधिसूचित की है, जिस दिन या उससे पहले प्रत्यक्ष कर 'विवाद से विश्वास' योजना, 2024 के तहत कर बकाया के संबंध में घोषणाकर्ता नामित प्राधिकारी को घोषणापत्र दे सकता है। इस योजना का लाभ वे करदाता उठा सकते हैं, जिनके मामले रिट और विशेष अनुमति याचिका (अपील) सहित विवाद/अपील में लंबित हैं। लगभग 35 लाख करोड़ रुपये की कुल 2.7 करोड़ प्रत्यक्ष कर मांगों पर विभिन्न कानूनी मंचों पर विवाद चल रहा है। विवाद से विश्वास योजना, 2024 की घोषणा बजट 2024-25 में की गई थी। इस योजना का लाभ उठाने वाले करदाताओं को विवादित कर मांग का 110 प्रतिशत भुगतान करना होगा।

रेपो दर कटौती से भी कमजोर बाजार को नहीं मिला समर्थन, सेंसेक्स 380 अंक फिसला

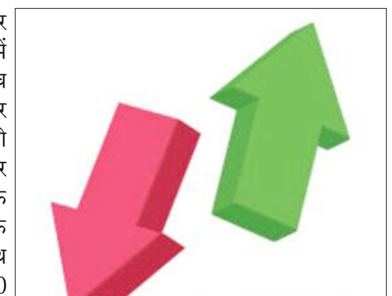

मुंबई : बढ़ते व्यापार तनाव से वैश्विक बाजारों में आई गिरावट के बीच स्थानीय शेयर बाजार बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की एक और कटौती किए जाने के बावजूद नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स करीब 380 अंक फिसल गया जबकि निफ्टी में 137 अंक की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा कि रिजर्व बैंक के नीतिगत मोर्चे पर सकारात्मक कदम उठाने के बावजूद वैश्विक व्यापार चिंताएं बाजार पर हावी रहीं और निवेशकों ने बिकवाली को प्राथमिकता दी। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 379.93 अंक यानी 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 554.02 अंक गिरकर 73,673.06 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 136.70 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 22,399.15 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 182.6 अंक गिरकर 22,353.25 अंक पर आ गया था। एशियाई बाजारों में कमजोर रुझानों को दर्शाते हुए घरेलू सूचकांक गिरावट के साथ खुले और पूरे सत्र के दौरान नकारात्मक दायरे में ही बने रहे। दरअसल, अमेरिका के चीन पर सीमा शुल्क को बढ़ाकर 104 प्रतिशत करने की घोषणा से व्यापार युद्ध गहराने की आशंका बढ़ गई है।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच रुपया 42 पैसे टूटकर 86.68 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और रुपया 42 पैसे लुढ़ककर 86.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर सीमा शुल्क को लेकर तनाव बढ़ने से रुपये में गिरावट आई है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने वृद्धि को बढ़ावा देने के उपाय के तौर पर प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड गिरावट और अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बावजूद विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की सुस्त धारणा से भारतीय मुद्रा दबाव में रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.52 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान रुपये ने डॉलर के मुकाबले 86.47 के उच्च और 86.76 के निचले स्तर का छुआ।

सोना 1,050 रुपये टूटकर 91,000 से नीचे फिसला, चांदी मजबूत

नयी दिल्ली : स्टॉकिस्ट और खुदरा विक्रेताओं के कमजोर उठान के कारण बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। पिछले बाजार बंद के समय 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,050 रुपये टूटकर 89,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि मंगलवार को यह 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 93,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मंगलवार को सफेद धातु 92,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 अप्रैल, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, चैत्र शुक्लपक्ष त्रयोदशी, 25:02 तक, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 12:21 तक, योग : वृद्धि, 18:56 तक, सूर्योदय: 5:27, सूर्यास्त: 17:53, चन्द्रोदय : 15:49, चन्द्रास्त: 03:44, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, अमान्ता महीना, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 13:11 से 14:44

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की लोग सराहना करेंगे। सेहत अच्छा रहेगा और परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष : आज आपको धैर्य और संयम से काम लेना होगा। पारिवारिक मामलों में सतर्क रहें और किसी भी तरह के विवाद से बचें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें और नियमित व्यायाम करें।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी और नए अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क : आज आपको अपने विचारों पर नियंत्रण रखना होगा। व्यर्थ की चिंताओं से दूर रहें और सकारात्मक सोच अपनाएं। कार्यस्थल पर सहयोगियों का समर्थन मिलेगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी और नए प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अच्छा मौका मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या : आज आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। कार्यस्थल पर धैर्य से काम लें और किसी भी विवाद से बचें। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

तुला : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। व्यापार में कामयाबी मिलेगी और नए संपर्क स्थापित होंगे। अपने परिवार के साथ समय बिताएं और उनकी जरूरतों का ख्याल रखें।

वृश्चिक : आज आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत करें और मनचाही सफलता प्राप्त करें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

धनु : आज किस्मत का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे और सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सेहत अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम करें।

मकर : आज आपको काफी सतर्क रहने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर किसी भी तरह के विवाद से बचें और धैर्य रखें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना होगा।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामयाबी मिलेगी और नए प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें।

मीन : आज आपको अपने नकारात्मक विचारों पर नियंत्रण रखना होगा। सकारात्मक सोच अपनाएं। कार्यस्थल पर सहयोगियों का समर्थन मिलेगा।

वर्ग पहेली नं. 3058

1			2	■	■	3		4	5
	■	■	6	7	8		■	9	
10		11	■	12		■	13	■	
	■	14			■	15		16	
■	17		■	18	19	■	20		■
21			22	■	23	24		■	25
26		■	27	28			■	29	
	■	30	■		■	31	32	■	
33					■	34			

बायें से दायें:- 1) भव्य; राजसी; वैभवशाली, 3) आतंक; प्रताप; रोब-दाब, 6) शाकोपजीवी, 9) उत्पाद; संपत्ति, 10) अंतिम अवस्था; सबसे अधिक, 12) विष्ठा, 14) पुत्री, 15) दबा; हमवार; सपाट, 17) उत्तर, 18) इस के बाद नहीं; एक सार्वजनिक वाहन, 20) फौरन, 21) तुलना, 23) पैर, 26) न्यूनता, 27) किसी वस्तु के लिए हठ करना, 29) कारणतः, 31) परिस्थिति, 33) रूढ़िवादी, 34) चटपटा; खारा.

ऊपर से नीचे:- 1) छिद्रान्वेषण; समीक्षा, 2) घमंड; कैफ़, 3) गुफा; शतरंजी, 4) साँस की बीमारी, 5) तनिक-सा, 7) सफल, 8) निकट भूतकाल, 11) तात्पर्य, 13) एक मिठाई, 16) किनारा, 17) दुर्जन, 19) सब, 21) व्यर्थ की बातें, 22) वह कागज की गड्डी जिसमें बीस दस्ते हों, 24) जल्दी जल्दी, 25) बेचैन, 28) गाँजा, 30) पहुँचा, 32) सायंकाल.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

उ	म	र	■	ब	■	ग	ठि	या	■
त्ले	■	खा	री	द	दा	र	■	ने	ता
खा	च्च	र	■	मा	■	मा	दा	■	मि
■	■	खा	मो	शी	■	ह	ल	च	ल
स	दै	व	■	■	गु	ट	■	प्प	■
भा	व	■	ना	रा	ज़	■	क	ल	मा
■	वा	य	स	■	रा	■	शि	■	न
स	दी	■	म	न	■	आ	स	मा	नी
न्न	■	■	झ	ग	ड़ा	लू	■	ह	य

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-3018

2						3		
					1	5		
	6			4				
							7	6
3			8					
							4	
5			3			1		
	4						5	
		7						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3017 का उत्तर

5	1	8	3	4	7	9	2	6
9	6	2	1	5	8	7	4	3
7	3	4	6	9	2	5	1	8
3	4	7	8	1	9	2	6	5
6	5	1	2	7	3	4	8	9
8	2	9	4	6	5	1	3	7
4	7	6	5	8	1	3	9	2
2	8	5	9	3	4	6	7	1
1	9	3	7	2	6	8	5	4

नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों की कोलकाता पुलिस के साथ हिंसक झड़प, लाठीचार्ज

❑ झड़प में कई प्रदर्शनकारी शिक्षकों के साथ छह पुलिसकर्मी भी चोटिल

❑ प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने किया जमकर लाठीचार्ज

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और अन्य गैर-शिक्षण कर्मचारियों के एक वर्ग ने बुधवार को दक्षिण कोलकाता के कसबा में पश्चिम बंगाल स्कूल विभाग के एक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी पुलिस से हिंसक झड़प हो गई।

प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने कसबा इलाके में जिला निरीक्षक (डीआई) कार्यालय के बाहर से उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी शिक्षकों के बीच जमकर हाथापाई भी हुई। झड़प में कई शिक्षकों के साथ कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं।

कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार की ओर से दावा किया गया है कि उसके छह कर्मी चोटिल हुए हैं जिसमें एक गंभीर रूप से घायल हैं। कसबा थाने के एक सार्जेंट का पैर टूटने का दावा किया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि जब प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने का प्रयास किया गया तो झड़प हुई। बाध्य होकर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि डीआई कार्यालय के बाहर करीब 150 से 200 प्रदर्शनकारी जमा हुए थे और उन्होंने भवन में जबरन घुसने का प्रयास किया। यह इमारत कोलकाता पुलिस के कसबा थाने से लगी है। नौकरी गंवाने वालों ने राज्य के कई जिलों में भी आज डीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इधर, पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने डीआई कार्यालय व कसबा थाने के बाहर जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया।

❑ घटना निंदनीय, राज्य सरकार नौकरी गंवाने वालों के साथ खड़ी है : मुख्य सचिव

वहीं, राज्य सचिवालय नवान्न में सीपी के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने भी कहा कि कसबा की घटना दुर्भाग्यजनक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही कहा है कि राज्य सरकार नौकरी गंवाने वालों के साथ खड़ी है। हमलोग फैसले पर कानूनी विचार कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से सब्र रखने की अपील करते हुए सभी से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। शांति बनाए रखने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटना दोबारा न हो। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह अपने निर्णय में बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए पूरी चयन प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण तथा दागदार बताया था। इस फैसले के बाद से नौकरी गंवाने वाले शिक्षक और विपक्षी दल राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया है कि पूरी नियुक्ति प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण थी।

कोलकाता पुलिस ने कसबा कांड में जारी किया 'विकृत' वीडियो फुटेज : वंचित अभ्यर्थी

कोलकाता : कोलकाता के कसबा डीआई कार्यालय में हुए पुलिस अभियान को लेकर बवाल मचा हुआ है। नौकरी से वंचित अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्हें पुलिस की लाठियों, घूसों और लातों का सामना करना पड़ा। अभ्यर्थियों ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दूसरी ओर, पुलिस ने पलटवार करते हुए सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोप लगाए हैं।

हालांकि, **कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा** ने यह स्वीकार किया है कि हालात को काबू में लाने के लिए लाठीचार्ज किया गया था। इसी बीच, कोलकाता पुलिस की ओर से एक वीडियो फुटेज जारी किया गया है, जिसे लेकर विवाद और गहरा गया है। अभ्यर्थियों का दावा है कि वीडियो को जानबूझकर 'विकृत' रूप में पेश किया गया है।

बुधवार शाम को आंदोलनकारी अभ्यर्थियों ने एक पत्रकार सम्मेलन आयोजित कर कहा, कोलकाता पुलिस की वेबसाइट पर जो वीडियो डाला गया है, वह आज की घटना का नहीं है। उसे पहले के किसी दिन का वीडियो लेकर आज की घटना से जोड़ दिया गया है। यह पूरी तरह साजिश है। वीडियो को एडिट करके पेश किया गया है ताकि हमें बदनाम किया जा सके।

वहीं दूसरी ओर, पुलिस कमिश्नर ने भी विभिन्न मीडिया में प्रसारित वीडियो पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, हम पूरा फुटेज देख रहे हैं। जो तस्वीरें सामने आई हैं, वे सिर्फ एक हिस्सा हैं। पूरी घटना नहीं दिखाई गई है। जो कुछ दिखाया गया है, वह निश्चित रूप से निंदनीय है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि पुलिस को ऐसा कदम क्यों उठाना पड़ा। हमने फील्ड में मौजूद अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।

इस विवाद के बीच, अभ्यर्थियों ने गुरुवार और शुक्रवार को दो बड़े विरोध मार्च की घोषणा की है। इन मार्चों को लेकर शहर में फिर से अशांति की आशंका जताई जा रही है।

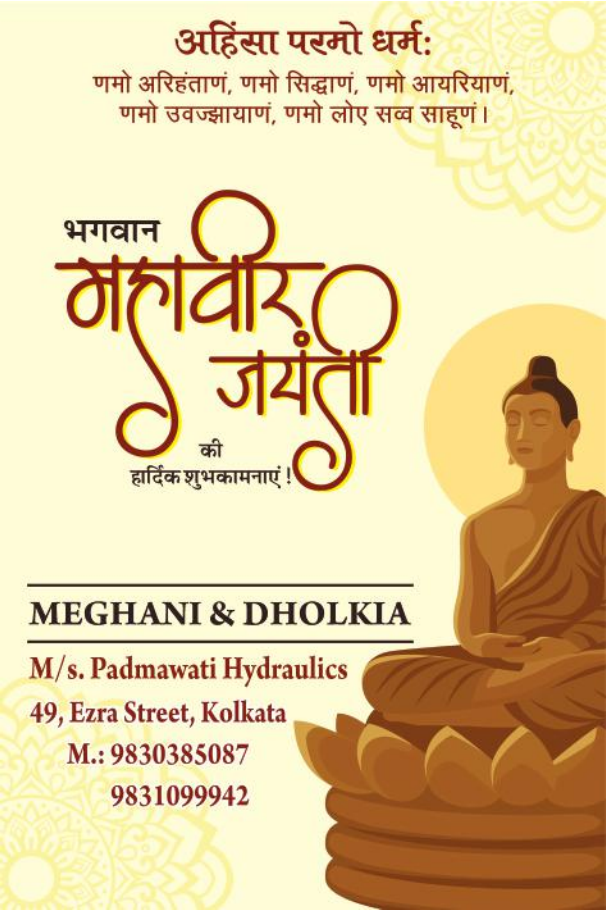

कोलकाता में नवकार महामंत्र दिवस: हजारों भक्तों का संगम, शांति और एकता का वैश्विक संदेश

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सम्मानित करते हुए जीतो कोलकाता चैप्टर के चेयरमैन धर्मेंद्र जैन और आरडीबी ग्रुप के विनोद दुगड़।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अभिवादन करते हुए संयोजक चंद्रेश मेघानी और दिनेश जैन गंगवाल।

❑ भवानीपुर में महावीर चौक का होगा निर्माण, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में बुधवार को एक भव्य आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन किया गया, जब नेताजी इंडोर स्टेडियम में नवकार महामंत्र दिवस को अपूर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन का नेतृत्व जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो), कोलकाता चैप्टर ने किया। जिसमें शहर के प्रमुख जैन संस्थानों और संगठनों का व्यापक समर्थन प्राप्त था। इस दिन ने जैन धर्म के विभिन्न संप्रदायों के हजारों भक्तों को एक मंच पर लाकर सामूहिक आस्था और एकता की अद्वितीय ताकत को प्रदर्शित किया। यह अवसर और भी खास बना जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आयोजन में शिरकत की। प्रमुख समाजसेवी तुलसी दुगड़ और कमल दुगड़ ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए उन्हें मंच तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री ने संस्कृत में नवकार मंत्र का जाप किया और जैन अनुयायियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जैन धर्म में इस मंत्र के आध्यात्मिक महत्व को स्वीकार करते हुए कहा, जैन धर्म सबको साथ लेकर चलता है और हमें एक साथ रहने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बंगाल में बहुत से जैन मंदिर हैं। बांकुड़ा, पुरुलिया, वर्दवान, कोलकाता सभी जगह जैन मंदिर स्थित है। बंगाल में जैन समाज की परंपरा की शुरुआत वर्दवान से हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि महावीर जी के जन्म के बाद उन्होंने कई वर्ष बंगाल के वर्दवान जिले में बिताए, जो हमारे लिए गर्व की बात है। ममता बनर्जी ने कहा, जैन धर्म हमेशा 'जियो और जीने दो' का संदेश देता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि जब वह पारसनाथ मंदिर गईं, तो वहां एक स्थानीय जल संकट को सात दिनों के अंदर हल करने की कोशिश की। महावीर जयंती के अवसर पर राज्य सरकार की छुट्टी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने वर्दवान में भगवान महावीर के ठहरने और पारसनाथ मंदिर यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा, मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं, और कोई भी मुझे इससे अलग नहीं कर सकता। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम केवल कोलकाता तक सीमित नहीं था, बल्कि यह एक वैश्विक आंदोलन का हिस्सा था, जो 120 से अधिक देशों में फैला। इन देशों के अनुयायियों ने पवित्र नवकार महामंत्र का जाप किया, जिससे सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक जागरूकता और विश्व शांति की लहरें चारों ओर फैल रही थीं। नवकार महामंत्र दिवस का नेतृत्व करने वाले जीतो, कोलकाता चैप्टर के धर्मेंद्र जैन (चेयरमैन), सुमित कोठारी (मुख्य सचिव), विनोद दुगड़ (आरडीबी ग्रुप), कमल दुगड़ (बीएमडी ग्रुप), ऋषभ नाहटा, शशी जैन डुगर (सचिव) और विवेक जैन (कोषाध्यक्ष) का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर जीतो के कोर कमेटी सदस्य निर्मल बिंदायका जैन, रतन लाल डुगर, राजेंद्र कुमार जैन (उपाध्यक्ष), संदीप बुचा (संयुक्त कोषाध्यक्ष), कार्यक्रम के संयोजक चंद्रेश मेघानी (रोमी), दिनेश गंगवाल (जैन), प्रदीप पटवा और नरेंद्र बरडिया भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सम्मान के साथ मंच पर ले जाते हुए समाज सेवी कमल दुगड़ और तुलसी दुगड़।

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

Dr Santosh Kumar

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों द्वारा प्राप्त किया जाता है।

–स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान भी नहीं रहता।

–जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

–फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

Dr Santosh Kumar activating the Robotic Arm during Robotic Knee Replacement

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

डीआई ऑफिस में क्यों गए थे? शिक्षकों पर लाठीचार्ज पर शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु का पलट सवाल

❑ **शिक्षा मंत्री ने की धैर्य रखने की अपील की**

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में नौकरी खोने का विरोध कर रहे शिक्षकों को लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा, जिससे राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा योग्य नौकरी चाहने वालों का समर्थन किया है और अभी तक किसी शिक्षक का वेतन बंद नहीं किया गया है, न ही किसी को बर्खास्तगी का पत्र भेजा गया है।

ब्रात्य ने सवाल उठाया, अगर राज्य सरकार पूरी तरह से शिक्षकों के साथ है, तो फिर डीआई ऑफिस पर आंदोलन क्यों किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर वे टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन यदि कुछ गलत हुआ है तो वह निंदनीय है। ब्रात्य ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हमेशा शिक्षकों के पक्ष में खड़े रहने का आश्वासन दिया है, तो क्या कुछ दिनों के लिए आंदोलन स्थगित नहीं किया जा सकता था? उन्होंने इस आंदोलन के पीछे किसी का उकसावा होने की संभावना जताई, जो मीडिया या राजनीतिक दलों से हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, अब तक किसी शिक्षक का वेतन बंद नहीं हुआ है और न ही किसी को टर्मिनेशन लेटर दिया गया है, फिर भी यदि उकसाव जारी रहता है, तो यह शिक्षकों पर निर्भर करेगा कि वे सरकार के साथ खड़े रहते हैं या उकसाने वालों के साथ। ब्रात्य ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और शिक्षा विभाग पूरी तरह से नौकरी खो चुके शिक्षकों के साथ खड़े हैं और यह बात शिक्षकों को समझनी चाहिए। इसके अलावा, ब्रात्य ने यह भी बताया कि इस सप्ताह के अंदर नौकरी खो चुके शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सरकार उनके मुद्दों का समाधान निकालेगी। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे धैर्य रखें और आंदोलन को स्थगित करें, क्योंकि विध्वंसक आंदोलन और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

बीजेपी सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने शिक्षा मंत्री से मिलने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन बाद में उन्होंने इसे वापस ले लिया। उनका कहना था कि राज्य सरकार ने शिक्षकों पर लाठी चलाने के बाद अब सदिच्छा दिखाने का कोई मतलब नहीं रह गया है। ब्रात्य ने अभिजीत के फैसले पर कहा, अगर विरोध करना ही था, तो एसएससी दफ्तर क्यों गए?

शिक्षकों पर लाठीचार्ज का विरोध, अभिजीत गंगोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता को लिखा पत्र फाड़ा

दो दिन में योग्य-अयोग्य की सूची प्रकाशित नहीं होने पर आंदोलन की दी धमकी

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण बंगाल के भाजपा सांसद और पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने बुधवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखा पत्र फाड़ दिया। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी दी कि अगर दो दिन के अंदर योग्य और अयोग्य की अलग-अलग सूची प्रकाशित नहीं की जाती तो वे तीव्र आंदोलन करेंगे। अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा कि जब राज्य सरकार शिक्षकों पर लाठी चला रही है, तो अब सदिच्छा दिखाने का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे पहले, अभिजीत गंगोपाध्याय ने एक दिन पहले ही शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु से मिलने का प्रस्ताव

दिया था और यह कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो राजनीति से ऊपर उठकर राज्य सरकार को योग्य और अयोग्य की सूची अलग करने में मदद करेंगे। हालांकि, बुधवार को शिक्षकों पर लाठीचार्ज की घटनाओं को लेकर अभिजीत ने अपना रुख बदलते हुए कहा कि अब इस सरकार के साथ बातचीत का कोई अर्थ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जब सरकार शिक्षकों के साथ इस तरह का व्यवहार कर रही है, तो अब उनका ब्रात्य बसु से मिलने का कोई उद्देश्य नहीं रह गया है। इस पर उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र को फाड़ दिया। इसके बाद अभिजीत गंगोपाध्याय ने एसएससी चेयरमैन से आधे घंटे से ज्यादा समय तक मुलाकात की और सीबीआई से प्राप्त मिरर इमेज में ओएमआर शीट को प्रकाशित करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शुक्रवार तक योग्य और अयोग्य की सूची प्रकाशित नहीं की जाती है, तो वे शनिवार से एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।

सीएमएफ बाय नथिंग 28 अप्रैल को तीन बड्स के साथ सीएमएफ फोन 2 प्रो करेगा लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : लंदन स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने अपने सीएमएफ बाय नथिंग लाइनअप के अगले उत्पादों के लॉन्च की आधिकारिक तिथि की घोषणा की है। कंपनी 28 अप्रैल को शाम 6:30 बजे सीएमएफ फोन 2 प्रो का अनावरण करेगी, जो 2023 में लॉन्च हुए सीएमएफ सब-ब्रांड के तहत दूसरा स्मार्टफोन होगा। इस स्मार्टफोन के अलावा, सीएमएफ बाय नथिंग तीन नए ऑडियो उत्पाद भी पेश करेगा: सीएमएफ बड्स 2, बड्स 2ए और बड्स 2 प्लस। ये नए उत्पाद किफायती कीमत पर बेहतरीन स्पेसिफिकेशन की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए नथिंग के उत्पाद पोर्टफोलियो में शामिल किए जाएंगे। लॉन्च से पहले, सीएमएफ बाय नथिंग ने हाल ही में अपने एक्स हैंडल पर सीएमएफ फोन 2 प्रो के कैमरा डिजाइन का टीजर भी जारी किया था।

बंगाल सरकार 25,000 से अधिक स्कूली नौकरियों को रद्द करने के खिलाफ न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेगी

कोलकाता, समाज्ञा

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने बुधवार को शिक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने स्कूलों में काम करना जारी रखें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राज्य की शिक्षा प्रणाली ध्वस्त न हो।

उन्होंने कहा कि सरकार पिछले सप्ताह 25,000 से अधिक स्कूली नौकरियों को रद्द करने के आदेश के संदर्भ में जल्द ही उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेगी।

यहां कसबा स्थित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के बाहर पुलिस और शिक्षकों के बीच हुई झड़प का जिक्र करते हुए पंत ने शिक्षकों से अपील की कि वे टकराव में शामिल न हों, ताकि गतिरोध को कानूनी रूप से हल करने की उनकी योजना प्रभावित न हो।

पंत ने कहा, 'हमारे संज्ञान में आया है कि शिक्षक स्कूलों में जाते और छात्रों से बातचीत करते देखे गए। मैं उन्हें बधाई देना चाहता हूं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे ऐसी किसी भी चीज में शामिल न हों जिससे हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर असर पड़े। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार कानूनी रूप से समस्या का समाधान खोजने की कोशिश कर रही है।'

उन्होंने कहा, 'हमने पहले ही स्पष्टीकरण याचिका दायर कर दी है, जिसमें हमने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया है कि हमें मौजूदा (शिक्षा) प्रणाली को जारी रखने की अनुमति दी जाए। हम शीर्ष अदालत के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। हम मानवीय दृष्टिकोण से समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं। हम अपना अगला कदम उठाने के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'कसबा डीआई कार्यालय में जो कुछ भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। अनावश्यक रूप से यह स्थिति पैदा की जा रही है। हम ऐसी किसी भी घटना की पुनरावृत्ति नहीं चाहते हैं। हम उनके दर्द और उनकी समस्याओं को समझ सकते हैं, हम समझते हैं कि उनके परिवार और बच्चे हैं। हम इस मामले को मानवीय दृष्टिकोण से देखेंगे।'

सड़कों पर लेटकर विरोध में उतरे नौकरी से वंचित अभ्यर्थी, कहा... 'देखे पूरा समाज'

कोलकाता : बुधवार दोपहर से ही नौकरी से वंचित अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन से कसबा स्थित डीआई कार्यालय में तनाव का माहौल बन गया था। पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगने के बाद, शाम होते-होते कोलकाता के गड़ियाहाट इलाके में विरोध का एक नया और अनोखा दृश्य सामने आया। अभ्यर्थियों ने गड़ियाहाट चौराहे पर एक के बाद एक सड़क पर लेटकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। उनके हाथों में कोई पोस्टर नहीं था, लेकिन उनकी चुप्पी और सड़कों पर लेटे रहने की स्थिति ही उनकी आवाज़ बन गई। उनका प्रमुख मांग है कि चयनित (योग्य) और अयोग्य अभ्यर्थियों की सूची अलग से सार्वजनिक की जाए। साथ ही, ओएमआर शीट की मिरर इमेज

(प्रतिकृति) प्रकाशित करने की भी मांग रखी गई है। इस दिन राज्य के कई हिस्सों में नौकरी से वंचित अभ्यर्थियों ने विभिन्न डीआई कार्यालयों के सामने प्रदर्शन किया। कई जिलों में प्रदर्शनकारियों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि, सबसे उग्र दृश्य दक्षिण कोलकाता के कसबा में देखने को मिला, जहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कार्यालय में घुसने से रोका। इसके बाद, शाम 5 बजे के बाद गड़ियाहाट चौराहे पर अभ्यर्थियों ने सड़क पर लेटकर अपना विरोध जताया। इस कदम के चलते गड़ियाहाट के चारों ओर की सभी सड़कें पूरी तरह जाम हो गईं और दक्षिण कोलकाता का एक बड़ा हिस्सा ठप पड़ गया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, गौरा समाज देखे, हमें कैसे सड़क पर उतार दिया गया। हम स्कूलों के क्लासरूम से निकलकर सड़क पर आ गए हैं। हमें आज भी उम्मीद है कि अगर सरकार ओएमआर शीट की मिरर इमेज और योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी कर दे, तो शायद हमारी जिंदगी पटरी पर लौट सके। इस अभूतपूर्व प्रदर्शन से कोलकाता की सड़कों पर भारी जाम लग गया और प्रशासन के लिए एक बार फिर चुनौतीपूर्ण स्थिति खड़ी हो गई।

कोल इंडिया ने शुरू की 'लक्ष्य' पहल, वंचित छात्राओं को इंजीनियरिंग व मेडिकल की तैयारी में मिलेगा मार्गदर्शन

कोलकाता : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 'लक्ष्य' नामक एक नई पहल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य वंचित तबके की छात्राओं को इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में सशक्त बनाना है। यह पहल विशेष रूप से पटना के गइघाट स्थित सरकारी अंबेडकर आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति समुदाय की बालिकाओं के लिए शुरू की गई है।

इस पहल के अंतर्गत छात्राओं को केंद्रित कोचिंग, व्यापक अध्ययन सामग्री और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विशेष सत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। 'लक्ष्य' योजना को पूर्व नवोदयन फाउंडेशन के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा और कोल इंडिया इसकी सहायता आगामी दो वर्षों तक करेगी। यह योजना कक्षा 11वीं और 12वीं की छात्राओं को कवर करेगी।

इस अवसर पर बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के सचिव दिवेश सेहरा, कोल इंडिया के अध्यक्ष पी।एम। प्रसाद, निदेशक (मानव संसाधन) डॉ। विनय रंजन तथा बिहार सरकार और कोल इंडिया के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कोलकाता में स्नैचिंग का आरोपी गिरफ्तार, हीरे के पेंडेंट वाली सोने की चेन बरामद

कोलकाता : कोलकाता पुलिस की एंटी स्नैचिंग स्क्वाड ने 09 अप्रैल 2025 को टांगरा थाना क्षेत्र में निगरानी के दौरान एक बड़ी कामयाबी हासिल की। दोपहर के समय डीडी की टीम ने इलाके में गश्त करते हुए अब्दुल इनाम उर्फ कालू (24 वर्ष), निवासी 66 डी।सी। डे रोड, मुस्लिम कैंप, थाना टेंगड़ा, को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी कसबा थाना कांड संख्या 152, दिनांक 05।04।25 के सिलसिले में की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके पास से लूटी गई सोने की चेन जिसमें हीरे का पेंडेंट जड़ा हुआ था, भी बरामद कर

ली गई है। आरोपी को 10 अप्रैल 2025 को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

सेनको गोल्ड ने बैंगल उत्सव 2025 के तहत पोइला बैशाख और अक्षय तृतीया ऑफर्स की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने पोइला बैशाख और अक्षय तृतीया के अवसर पर बैंगल उत्सव के लॉन्च के साथ अपनी नई ऑफर्स की घोषणा की है। कंपनी ने अपने 85+ वर्षों की कारीगरी का सम्मान करते हुए 'खुशियोंकीरीत' और 'आपकाशुक्रिया' अभियान शुरू किया है, जिसमें कारीगरों की कला को सराहा गया है। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने इस मौके पर सोने, हीरे, पोल्की और एंटीक्स ज्वैलरी की शानदार कलेक्शन पेश की है।

सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स की मार्केटिंग और डिजाइन की निदेशक, **जोइता सेन** ने कहा, यह अभियान

हमारे कारीगरी को समर्पित है, जो सेनको की धरोहर का आधार है। हम उन्हें धन्यवाद देते हैं जिन्होंने अपने समर्पण से हमारी परंपरा को आगे बढ़ाया। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के एमडी और सीईओ, **सुवांकर सेन** ने कहा, हमने बैंगल उत्सव में 100+ नए डिजाइन पेश किए हैं, जो हर बजट और स्वाद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही, फ्लेक्सी एडवांस प्लान के तहत ग्राहक आज के भाव पर सोने के आभूषण बुक कर सकते हैं। कंपनी 07 अप्रैल से 04 मई तक विशेष ऑफर्स दे रही है, जिसमें सोने पर 2500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की छूट, प्लेटिनम ज्वैलरी पर 20% तक की छूट, और विशेष ऑफर शामिल हैं।

एलाइफ ने पश्चिम बंगाल में गोंधराज और नीम साबुन के साथ अपने पर्सनल केयर पोर्टफोलियो का विस्तार किया

कोलकाता : एडब्लूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड ने पर्सनल केयर में अपने नवीनतम - एलाइफ गोंधराज और नीम साबुन का अनावरण किया है। पश्चिम बंगाल में लॉन्च किया गया यह अनूठा संस्करण गोंधराज नींबू की स्फूर्तिदायक ताज़गी को नीम के हर्बल स्किनकेयर लाभों के साथ लाता है। समझदार ग्राहकों के लिए खास तरह से तैयार यह नया प्रोडक्ट प्रकृति और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं से प्रेरित ताज़गी और त्वचा देखभाल के लिए एलाइफ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लॉन्च पर एडब्लूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, मुकेश मिश्रा ने कहा, पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक अवयवों और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए गहरी प्रशंसा है। यह लॉन्च हमारे उपभोक्ताओं के साथ प्रतिध्वनित होने वाले नवीनतम और स्थानीय संबंधित उत्पादों को तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

स्वच्छता जागरूकता अभियान ब्रेस ब्रिज स्टेशन पर आयोजित

❑ **स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को लेकर यात्रियों को किया गया जागरूक**

कोलकाता : पूर्व रेलवे स्वच्छ और हरित रेलवे परिवेश सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर लगातार अग्रसर है। इसी दिशा में 8 अप्रैल 2025 को ब्रेस ब्रिज स्टेशन पर एक व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों, विक्रेताओं और स्टेशन उपयोगकर्ताओं के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देना, गंदगी फैलाने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के महत्व को सुदृढ़ करना था।

इस पहल का आयोजन पूर्व रेलवे के स्वास्थ्य विभाग, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), ह्यूमन राइट्स डिफेंडर, रॉबिनहुड एकेडमी (एनजीओ) और स्थानीय पार्षद के संयुक्त प्रयासों से किया गया। इन सभी की सामूहिक भागीदारी से अभियान को सफलता-पूर्वक क्रियान्वित किया गया।

अभियान के अंतर्गत स्टेशन परिसर की गहन जांच की गई और यात्रियों, दुकानदारों एवं अन्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया गया। सभी को यह समझाया गया कि उचित तरीके से कचरा निपटान, थूकने पर पूर्ण प्रतिबंध का पालन और स्वच्छ, सुरक्षित तथा यात्री-अनुकूल वातावरण बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

इस अभियान का एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु प्लास्टिक उपयोग में कटौती की आवश्यकता था। यात्रियों को प्लास्टिक कचरे से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें पुन: प्रयोग योग्य थैलों, बोतलों तथा कंटेनरों के इस्तेमाल जैसी पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालने की आदत को पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक आवश्यक कदम के रूप में रेखांकित किया गया।

पूर्व रेलवे भविष्य में भी अपने नेटवर्क पर ऐसे जागरूकता अभियान जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि स्वच्छता और स्थायित्व की दिशा में सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित किया जा सके।

हावड़ा मंडल ने एक और सीमित ऊंचाई वाली सबवे का निर्माण सफलतापूर्वक किया

कोलकाता : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। मंडल ने गुस्कारा और पिछकुरीर ढाल स्टेशनों के बीच सीमित ऊंचाई वाली सबवे (एलए-चएस) का निर्माण करते हुए लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 5/टी को बंद कर दिया। यह कार्य 09 अप्रैल 2025 को किया गया और इसके लिए अप और डाउन दोनों लाइनों पर सुबह 03:30 बजे से 09:30 बजे तक कुल 6 घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया था। निर्धारित समय में यह महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण कर लिया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत कुल 10 आरसीसी बॉक्स (6 मीटर ु 4।65 मीटर) और 9 बेस स्लैब को एलएचएस में सफलतापूर्वक डाला गया। भारी कार्यों को कुशलतापूर्वक संपन्न करने के लिए 2 क्रेन (प्रत्येक

350 टन क्षमता की) और 5 पोकलेन मशीनों की सहायता ली गई।

सिर्फ एलएचएस का निर्माण ही नहीं, इस दौरान मंडल ने कई अन्य ट्रैक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य भी पूरे किए। झापाटेरढाल स्टेशन पर 3 पॉइंट्स और क्रॉसिंग्स की टैम्पिंग की गई, वहीं खाना से सैंथिया सेक्शन के बीच 4।639 किलोमीटर के प्लेन ट्रैक की टैम्पिंग और बैलास्ट की सफाई भी की गई।

खाना-सैंथिया सेक्शन के बीच विभिन्न इंजीनियरिंग मरम्मत कार्य भी किए गए, जिनमें स्विच और क्रॉसिंग्स का उन्नयन, रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग, रेलों का नवीनीकरण, फुट ओवर ब्रिज की पेंटिंग, और प्लेटफॉर्म शेड का प्रतिस्थापन शामिल है।

यह ब्लॉक न केवल एक प्रमुख बुनियादी ढांचा उपलब्धि है, बल्कि यह उत्कृष्ट टीमवर्क, तकनीकी कौशल और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का भी उदाहरण प्रस्तुत करता है। एलएचएस के सफल निर्माण और लेवल क्रॉसिंग के समापन से सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा में वृद्धि होगी और सड़क व रेल के बीच के टकराव की संभावनाएं घटेंगी। हावड़ा मंडल के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो उनकी सटीक योजना, समन्वित कार्य प्रणाली और तकनीकी दक्षता को दर्शाता है। सीमित समय में इस प्रकार के जटिल निर्माण कार्यों को सफलतापूर्वक अंजाम देना मंडल की कार्यकुशलता और नेतृत्व की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का सेवा कार्य

कोलकाता : सिद्धार्थ यूनाइटेड सोशल वेलफेयर मिशन, तेघरिया स्थित आश्रम में कोलकाता कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ताओं ने तकरीबन 80 बच्चों में वस्त्र एवं खाद्य सामग्रियों का वितरण किया। प्रमुख अतिथि सुशील पुरी, विकास चौधरी एवम् सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए संस्था के अध्यक्ष अशोक अवस्थी, सचिव योगेश अवस्थी ने बताया अभी तक आश्रम में भोजन सेवा के 754 कार्यक्रम एवम् अस्पताल में फल वितरण के 312 सप्ताह (रविवार) पूर्ण हो चुके हैं। आञ्जनेय शर्मा, नरेन्द्र अवस्थी, विवेक अग्रवाल, आदित्य, वेदांश, यश एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

सीलदह-बालीगंज-मजेरहाट सेक्शन में पूर्व रेलवे द्वारा विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित, 560 मामले दर्ज

कोलकाता : पूर्व रेलवे द्वारा बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने और यात्रियों में अनुशासन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 9 अप्रैल 2025 को सीलदह-बालीगंज-मजेरहाट खंड में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य केंद्र मजेरहाट स्टेशन रहा। इस विशेष जांच अभियान का नेतृत्व पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पी-सीसीएम) डॉ. उदय शंकर झा ने किया। उनके साथ सीलदह मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

यह व्यापक अभियान वाणिज्य

विभाग के कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सक्रिय भागीदारी के साथ चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रेरित करना और रेलवे परिसरों में स्वच्छता को बनाए रखना था।

जांच अभियान के दौरान कुल 412 यात्रियों को बिना वैध टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया। इसके अलावा 75 यात्रियों को बिना बुक किए हुए सामान के साथ यात्रा करते हुए पाया गया और 73 लोगों को रेलवे परिसर में थूकने जैसे नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया। सभी दोषियों पर रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जुर्माना लगाया गया।

सीलदह और सोनारपुर टिकट जांच दस्तों की संयुक्त कार्रवाई से यह अभियान अत्यंत सफल रहा। पूर्व रेलवे यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने, स्वच्छता बनाए रखने और कानूनी रूप से यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे नियमित टिकट जांच अभियानों को निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

महंगाई सहित अन्य मुद्दों को लेकर संस्कृति उन्नयन मंच ने निकाली रैली

हावड़ा : केंद्र सरकार पर जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए महंगाई, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों को लेकर मंगलवार दोपहर हावड़ा डिस्ट्रक्टि संस्कृति उन्नयन मंच की ओर से एक विशाल रैली निकाली गयी। रैली शिवपुर के काजीपाड़ा मोड़ से निकलकर राजभवन पहुंची। यहां मंच की ओर से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। रैली में शामिल मंच के सदस्य राष्ट्रीय ध्वज लेकर पहुंचे थे। मंच के सचिव श्रीकांत घोष ने कहा कि महंगाई से लोग पहले से ही परेशान हैं। ऐसे में रसोई गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि की गयी है। देश का पैसा गबन करने वाले विजय माल्या और नीरव मोदी अभी भी फरार हैं। दोनों को गिरफ्तार कर देश में वापस लाने के बजाय केंद्र सरकार उनलोगों को बचाने में जुटी है। केंद्र की ओर इन दोनों को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

हुगली : नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों ने किया डीआई कार्यालय का घेराव

हुगली : नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों ने जिला निरीक्षक (डीआई) कार्यालय में ताला जड़ दिया। अपनी नौकरी वापसी की मांग को लेकर उन्होंने चुंचुड़ा स्टेशन से रैली निकाली और जीटी रोड पहुंचकर वहां धरना प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा हटाए जाने के बाद वे डीआई कार्यालय पहुंचे और वहां भी जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय में ताला लगा दिया।

बाद में हुगली के जिला निरीक्षक सत्यजीत मंडल कार्यालय से बाहर आए और प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों से बातचीत की। इस दौरान उन्हें एक मांगपत्र पढ़कर सुनाया गया और एक स्मारक पत्र (डिपुटेशन) सौंपा गया।

डीआई सत्यजीत मंडल ने कहा, योग्य और अयोग्य का चयन करने की जिम्मेदारी जिला निरीक्षक की नहीं है। इसके लिए स्कूल सर्विस कमीशन जिम्मेदार है और वही इस विषय में निर्णय लेने का अधिकार रखता है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की संख्या घट गई है, वहाँ नए शिक्षक नियुक्त करने का अधिकार मेरा नहीं है - चाहे वे स्थायी हों या अनुबंध पर। इस विषय पर निश्चित ही राज्य सरकार विचार करेगी। अभी तक हमें इस संबंध में कोई निर्देश नहीं मिला है कि जिनकी नौकरी चली गई है, उन्हें क्या करना चाहिए। आज जो लोग आए थे, उन्होंने मुझे एक डिपुटेशन सौंपा है, जिसमें उच्च न्यायालय का आदेश भी संलग्न है।

उन्होंने आगे कहा, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जिनकी नौकरी गई है, उनके बारे में अब तक कोई मौखिक या लिखित निर्देश हमें प्राप्त नहीं हुआ है। उनकी नियुक्ति स्कूल सर्विस कमीशन द्वारा की गई थी। हमारा कार्य केवल इतना था कि उन्हें संबंधित स्कूलों में भेजा जाए।

बांसबेड़िया में हनुमान जयंती शोभायात्रा को लेकर प्रशासनिक बैठक, सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

हुगली : आगामी 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर बांसबेड़िया में एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह शोभायात्रा पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों के साथ निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कामनाशीष सेन के नेतृत्व में संवेदनशील और अति-संवेदनशील क्षेत्रों में रूट मार्च किया गया। पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज़ी से की जा रही हैं।

बांसबेड़िया जूट मिल कॉलोनी क्षेत्र से निकलने वाली इस शोभायात्रा को लेकर सोमवार को प्रशासन और आयोजकों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में चुंचुड़ा की एसडीओ स्मिता सान्याल शुक्ला, डीएसपी (क्राइम) अभिजीत सिन्हा महापात्र, सीआई सौमेन विश्वास, थाना प्रभारी दीपांकर सरकार, बैंडेल जीआरपी प्रभारी, नगरपालिका की वाइस चेयरपर्सन शिल्पी चटर्जी, दमकल एवं बिजली विभाग के अधिकारी, साथ ही हिंदू-मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

एसडीओ ने आयोजकों से अपील की कि वे सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करें और बताया कि वे स्वयं भी शोभायात्रा के दौरान उप-स्थित रहेंगी। वहीं डीएसपी ने जानकारी दी कि क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त की जा रही है और सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

प्रशासन की सतर्कता और सभी समुदायों के सहयोग से यह आशा जताई जा रही है कि हनुमान जयंती की यह शोभायात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और भव्य रूप में संपन्न होगी।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि. मऊ, जनपद मऊ

नं.म. 679 सन् 2024

राजनाथ तिवारी उम्र तख. 67 वर्ष पुत्र स्व. रामधनी तिवारी निवासी ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ, हाल मुकाम 509 रविन्द्र सरनी, बी. सी. हातकोला पो. हाटकोला जनपद कोलकाता, वेस्ट बंगाल पिन कोड 700005

बनाम

1. चनवती देवी उम्र तख. वर्ष पत्नी पूजन यादव निवासी बबुआपुर पो. मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ

प्रतिवादिनी प्रथम पक्ष

2. तारकेश्वर उम्र तख. 46 वर्ष पुत्र स्व. रामधनी निवासी ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ, हाल मुकाम संगम अपार्टमेन्ट विद्यासागर पल्ली राज रहाट गोपालपुर (म) जपगरानार्थ 24 परगनास वेस्ट बंगाल

प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

3. रमाशंकर उम्र तख. 55 वर्ष पुत्र स्व. किशोर

4. उमाशंकर उर्फ खरपत्तू उम्र तख. 48 वर्ष पुत्र स्व. किशोर निवासीगण ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ

प्रतिवादीगण तृतीय पक्ष

डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर आरोपितों ने लगभग 400 बैंक खातों के जरिए भारी मात्रा में धनराशि हस्तांतरित की

❑ **साइबर धोखाधड़ी मूल रूप से दिल्ली से की जाती थी नियंत्रित, आरोपितों के देशभर में हैं बिचौलिए**

कोलकाता : ईडी ने विशेष अदालत में दावा किया है कि साइबर धोखाधड़ी में गिरफ्तार आरोपितों चिराग कपूर और योगेश दुआ ने डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर पूरे देश में अपना संजाल फैलाया था। वे झूठे आरोपों में लोगों को फंसाकर और वीडियो काल के जरिए उन पर निगरानी रखकर पैसे ऐंठते थे। दोनों ने धोखाधड़ी के जरिए लगभग 400 बैंक खातों के माध्यम से भारी मात्रा में धनराशि भी हस्तांतरित की। कोलकाता पुलिस ने जनवरी में चिराग को बेंगलुरु से व योगेश को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। बाद में ईडी ने उन्हें हिरासत में ले लिया। जांचकर्ताओं का दावा है कि दोनों धोखाधड़ी गिरोह के सरगना हैं। आरोपितों को मंगलवार को कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट स्थित सीबीआइ की विशेष अदालत में पेश किया गया। न्यायाधीश ने दोनों आरोपितों को 14 दिन की जेल हिरासत में भेजने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने यह भी आदेश दिया कि यदि आवश्यक हो तो जांचकर्ता जेल में जाकर आरोपितों से पूछताछ कर सकते हैं। ईडी ने अदालत में दावा किया कि आरोपितों के खिलाफ 180 आरोप हैं। साइबर धोखाधड़ी मूल रूप से दिल्ली से नियंत्रित की जाती थी। आरोपितों के देशभर में बिचौलिए हैं। जालसाजों ने दूसरे लोगों के बैंक खाते किराए पर ले रखे थे। प्रति खाते के लिए 70,000 रुपये भुगतान करते थे। ईडी का यह भी दावा है कि उसे जानकारी मिली है कि धोखाधड़ी का पैसा विभिन्न व्यवसायों में निवेश किया गया था। आरोपितों ने विभिन्न मोबाइल कंपनियों के लिए टावर लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने अपराध की बात स्वीकार की है।

कोलकाता में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 8 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : कोलकाता के साइबर थाना पुलिस ने एक बड़े फर्जी कॉल सेंटर रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला साइबर थाना के निरीक्षक दुलाल साहा रॉय द्वारा स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज किया गया था। जांच के दौरान 'प्रतिबिंब' पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी से एक संदिग्ध नंबर की पहचान की गई, जो कई अन्य नंबरों से जुड़ा हुआ था। समय और स्थान की सटीक जानकारी के आधार पर पुलिस को शक हुआ कि कोई फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है।

08 अप्रैल को पुलिस टीम ने साउथ सबअर्बन डिवीजन के अंतर्गत पाटुली थाना क्षेत्र के बैष्णवघाटा, पाटुली टाउनशिप स्थित ई-265 नंबर परिसर के प्रथम तल पर छापा मारा। वहां मौजूद लोग ग्राहकों को विभिन्न बहानों से फोन कर रहे थे। वे ग्राहकों को यह कहकर भ्रमित कर रहे थे कि उनके पिनकोड क्षेत्र में तकनीकी दिक्कत के कारण उन्हें ऑनलाइन भुगतान करना होगा। यह राशि पहले से किए गए भुगतान की वापसी के बहाने मांगी जाती थी, लेकिन न तो उन्हें उत्पाद मिलता था और न ही उनकी राशि लौटाई जाती थी।

छापेमारी के दौरान जब आरोपियों से उनके पहचान पत्र मांगे गए, तो वे संतोषजनक दस्तावेज़ नहीं दिखा सके। पुलिस को मौके से बड़ी संख्या में लीड्स, स्क्रिप्ट किए गए कॉल वार्तालाप, 18 मोबाइल फोन (जिसमें 10 डायलर फोन शामिल हैं), 53 सिम कार्ड और एक नोटबुक बरामद हुई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं: अहतेशाम परवाज़ उर्फ रिकी (26 वर्ष, नैहाटी), अमित कुमार (27 वर्ष, बेहाला), सोमू दास (31 वर्ष, चारू मार्केट), अविक बोस (30 वर्ष, गोल्फग्रीन), राजेश खान (30 वर्ष, चितपुर), सद्दाम हुसैन (33 वर्ष, नैहाटी), अरमान अली (35 वर्ष, नैहाटी), और रबी पांडा (28 वर्ष, सर्वे पार्क)।

पुलिस ने परिसर को सील कर दिया है और सभी आरोपियों को आज 09 अप्रैल को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मध्यस्थता बैठक में टीएमसी विधायक ने गर्भवती को किया अपमानित, आत्महत्या की कोशिश की

कोलकाता : मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में मध्यस्थता बैठक में स्थानीय टीएमसी विधायक हसनुज्जमां शेख पर गर्भवती महिला को अपमानित करने का आरोप लगा है। बताया जाता है कि इसके बाद पीड़ित महिला ने आत्महत्या की कोशिश की। स्वजनों ने उसे समय पर बचा लिया। वहीं विधायक ने इससे साफ इन्कार किया है और कहा कि उन्होंने महिला को अच्छी सलाह दी थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार महिला की 2022 में शादी हुई थी। कुछ महीने पहले उसे पता चला कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। इसके बाद वह ससुराल छोड़कर अपने पिता के घर चली आई। पिछले दिनों ससुराल वाले सुलह करने के लिए अपने बहु के मायके पहुंचे। इसके लिए मध्यस्थता बैठक आयोजित की गई। आरोप है कि बेलडांगा के तृणमूल विधायक हसनुज्जमां शेख ने तलाक पर अड़ी चार महीने की गर्भवती महिला को अपमानित किया। विधायक की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से मर्माहत महिला मध्यस्थता बैठक छोड़कर चली गई। इसके बाद उसने घर में जाकर फंदे से लटक कर आत्महत्या का प्रयास किया। उसके परिवार के सदस्यों ने उसे गंभीर हालत में बचाया। गर्भवती महिला का फिलहाल मुर्शिदाबाद मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। पीड़िता के पिता का दावा है कि उनकी बेटी अपने पति के व्यवहार से परेशान होकर चार महीने की गर्भवती अवस्था में ससुराल छोड़कर चली आई थी। विधायक ने मध्यस्थता बैठक में इस बारे में कई बातें कहीं और इसे लेकर मेरी बेटी को अपमानित भी किया। उन्होंने मेरी बेटी को तलाक लेने से मना किया।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एमएसडीएसी-बीआरपीए-25-26, दिनांक: 08.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-एमएसडीएसी-बीआरपीए-25-26 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** बारुईपाड़ा स्टेशन पर ड्यूएल डिटेक्शन मोड में डीसी ट्रैक सर्किट के स्थान में ड्यूएल एमएसडीएसी का प्रावधान। **बोली प्रणाली :** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 6,26,88,124/-, **बयाना राशि:** रु. 4,63,500/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 09 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 08.04.2025 को 17.39 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 18.04.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 02.05.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। HWH-19/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-02-25, दिनांक 03.04.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. **ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-02-25** के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में पाकुड़ साइडिंग के डब्ल्यूबीपीसी में आइसोलेटर के प्रावधान के संबंध में 50 हर्ट्ज सिंगल फेज 25 केवी ओएचई की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ करना। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 26,58,758.80, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 53,200/-, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** 25.04.2025 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-13/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सर्वे पार्क मामले में चोरी गए सामानों का एक बड़ा हिस्सा बरामद

कोलकाता : कोलकाता के सर्वे पार्क थाना क्षेत्र में दर्ज केस की जांच के दौरान पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी के बयान के आधार पर चोरी गए सामानों का एक बड़ा हिस्सा बरामद कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद सामानों में एक आईफोन 15 प्रो, एक सैमसंग ड23 मोबाइल फोन, 420 यूरो की विदेशी मुद्रा और 21,500 नकद शामिल हैं। फिलहाल बाकी चोरी हुए सामानों की तलाश के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख अमीरुद्दीन उर्फ गुज्जर (24) के रूप में हुई है, जो मोटीझील लेन, थाना एंटाली का निवासी है। उसे 12 अप्रैल 2025 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस इस मामले में आगे की पूछताछ कर रही है और बाकी बचे माल की बरामदी के लिए छापेमारी जारी है।

बीएसएफ की निडर महिला प्रहरियों से डरकर मवेशियों को छोड़ जान बचा के भागे तस्कर

❑ **भारत-बांग्लादेश सीमा पर 19 मवेशियों को तस्करी से बचाया गया**

❑ **महिला प्रहरी ने अदम्य साहस व कर्तव्यनिष्ठा का दिया परिचय**

कोलकाता : बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ की महिला प्रहरियों और अन्य जवानों ने अपने अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सतर्कता का परिचय देते हुए तस्करी की तीन अलग-अलग कोशिशों को नाकाम करते हुए 19 मवेशियों को तस्करों के चंगुल से बचा कर उनके मंसूबों को विफल कर किया। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता व डीआइजी एनके पांडे ने बुधवार को बताया कि बल की महिला प्रहरियों के साहस व निडरता से डरकर मवेशियों को छोड़ तस्कर जान बचा कर वापस भाग खड़े हुए। उन्होंने बताया कि मवेशियों को सीमा पार कराकर भारत से बांग्लादेश में तस्करी की योजना थी। बीएसएफ डीआइजी ने बताया कि तड़के लगभग 3.05 बजे, सीमा चौकी आरके वाधवा इलाके में रात्रि की दूसरी शिफ्ट में ड्यूटी पर तैनात महिला प्रहरी ने कुछ भारतीय तस्करों को अंधेरे का फायदा उठा कर मवेशियों के साथ सीमा रेखा की ओर बढ़ते देखा। सतर्क

महिला प्रहरी ने बिना समय गंवाए ड्यूटी पर तैनात अपने अन्य साथियों को सतर्क करते हुए तस्करों की संख्या से बेपरवाह होकर उनका पीछा किया और रूकने की चेतावनी दी। तस्करों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर आक्रामक रूप से आगे बढ़ना जारी रखा। स्थिति की गंभीरता को भांप महिला प्रहरी ने तस्करों को तितर-बितर करने के लिए तुरंत गैर घातक पीएजी से फायर किया। इससे घबराकर तस्कर मवेशियों को छोड़कर अंधेरे और ऊबड़-खाबड़ भूमि का फायदा उठाकर वापस भारतीय गांव की ओर भाग निकले। घटना के बाद क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें आठ मवेशी घटना क्षेत्र से बरामद किए गए।

मालदा क्षेत्र में ही अन्य दो घटनाओं में, 88वी वाहिनी की सीमा चौकी हरीनाथपुर और 71वी वाहिनी की सीमा चौकी पिरोजपुर के जवानों ने भी तस्करी को विफल कर 11 मवेशियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया।

बीएसएफ डीआइजी ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए महिला प्रहरी के साहस की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के क्षेत्र में मवेशी तस्करी पर अंकुश लगाने की सफल गाथा सीमा प्रहरियों की कर्मठता, पेशेवर दृष्टिकोण, टीम कार्य, उच्च स्तरीय नेतृत्व और पूर्ण प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारियों के प्रति समर्पित सीमा रक्षकों ने यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे बुलंद हो, सोच सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण हो तथा प्रतिबद्धता उच्च कोटि की हो तो किसी भी लक्ष्य को साधा जा सकता है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/661, दिनांक 09.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं : **क्रम सं. 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3438, कार्य का नाम :** 1 वर्ष के लिए टिकियापाड़ा एवं सॉर्टिंग यार्ड डिपो से शुरू होने वाले विभिन्न रेकों के पावर कारों के डी.ए. (डीजल अल्टरनेटर) सेट का अनुरक्षण, परिचालन एवं 'ए' चेक मेन्टेनेंस। **निविदा मूल्य :** रु. 2,21,10,747/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु.2,60,600/-, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3439, कार्य का नाम :** हावड़ा मंडल के तहत 24 माह की अवधि के लिए कैरियर-प्रस्तुतकारक बीआरएफ टाइप एसी मशीनों का व्यापक रखरखाव अनुबंध । **निविदा मूल्य :** रु. 18,13,386/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु.36,300/-, **समापन अवधि:** 12 माह (क्रम सं. 1 हेतु) और 24 माह (क्रम सं. 2 हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 25.04.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) और दिनांक 30.04.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 2 हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। HWH-21/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 08_2025-26, दिनांक 08.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी /एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा** के अधीन निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण :** एईएन/कटवा के अधीन आजिमगंज (01 अदद) और सालार (01 अदद) तथा एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन नबद्वीपधाम (01 अदद) और त्रिवेणी (01 अदद) में पाइप लाइन के साथ 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक की बदली एवं अन्य सहायक कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 6,69,54,320.85, **बयाना राशि:** रु. 4,84,800/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 29.04.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-17/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आदिवासियों की भूमि पर अवैध खनन को लेकर हाई कोर्ट ने दिए जांच के आदेश

कोलकाता : बीरभूम जिले में आदिवासियों की भूमि में अवैध रूप से खनन कैसे हो रहा है। यह प्रश्न करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने जिला अधिकारी को को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी अवैध गतिविधि राज्य सरकार की अनुमति के बिना संभव नहीं है। आरोप है कि बीरभूम के रामपुरहाट के तराचुआ मौजा में आदिवासियों की खेती योग्य जमीन पर वर्षों से अवैध पत्थर उत्खनन व खनन का कारोबार चल रहा है। आरोप है कि जिले में माफिया के उत्पात से आदिवासी परेशान है। इस अवैध खनन के परिणामस्वरूप, न केवल कई लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, बल्कि वे भूमिहीन भी हो रहे हैं। यह आरोप लगाते हुए हाई कोर्ट में मामला दायर किया गया है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के वकील आशीष कुमार चौधरी ने कहा कि कुछ मामलों में माफिया भूस्वामियों के साथ मिलीभगत करके आदिवासियों की जमीन जबरन छीन रहे हैं। यहां तक कि पुलिस प्रशासन को सूचित करने पर भी कोई फायदा नहीं हुआ है। भूमि के स्वरूप में परिवर्तन न करने की निचली अदालत के निर्देश का उल्लंघन करते हुए पत्थर निकालने का काम जारी है। उन्होंने आगे कहा कि पत्थर उत्खनन और पत्थर निकासी का कार्य विशिष्ट कानूनों के अनुसार राज्य सरकार की अनुमति से किया जाना चाहिए। कानून का पालन न करने पर दंड का प्राविधान है। लेकिन राज्य के भूमि राजस्व विभाग और भूमि सुधार विभाग के एक हिस्से की मिलीभगत से पत्थर माफिया अपना कारोबार जारी रखे हुए हैं। राज्य सरकार को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। न्यायमूर्ति ने पूछा कि बेईमान व्यवसायी खनन अधिनियम का पालन किए बिना खनन कार्य कैसे जारी रख सकते हैं? इसके बाद बीरभूम के जिला अधिकारीट को निर्देश दिया गया कि जांच के लिए एक उच्च पदस्थ अधिकारी को नियुक्त करें और यदि राज्य की अनुमति के बिना ऐसा कोई काम किया जा रहा है, तो उसे तुरंत रोकना होगा।

चंदननगर में पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ निकली रामनवमी की भव्य शोभायात्रा

हुगली : जिले के ऐतिहासिक शहर चंदननगर में रामनवमी के पावन अवसर पर मंगलवार को शांति, सौहार्द और एकता का संदेश देती हुई एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ शामिल हुए। शहर का संपूर्ण वातावरण राममय हो उठा। हर ओर 'जय श्री राम' के जयघोष गूंजते रहे और भगवा पताकाओं की आभा से पूरा क्षेत्र रंगीन और भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में सजीव और सुसज्जित झांकियां आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। कई कलाकारों ने पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ अद्भुत कलाबाज़ियाँ प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए थे, जिसके चलते शोभायात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। आयोजन समिति ने बताया कि इस शोभायात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं, बल्कि समाज में एकता और हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश देना भी था।

लामडिंग मंडल में इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना सं. SCL-Engg-40-2025; दिनांक: 07-04-2025। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं. 1. आइटम का संक्षिप्त विवरण:** एडीईएन/अगरतला के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 1×6.0एम × 3.50एम आरसीसी बॉक्स द्वारा एडिशनल ओपेनिंग का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹4,89,99,314.88; **धरोहर राशि:** ₹3,95,000.00। **ई-निविदाएं** 05-05-2025 को 15.00 बजे **बंद होंगी** और 06-05-2025 को 15.00 बजे **खुलेंगी**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर 05-05-2025 को 15.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

डीआरएम/कार्य, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों पर अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए एटीवीएम फेसिलिटेटर की नियुक्ति

निरस्तीकरण सूचना

आवेदन सूचना सं.: सीओएम/सीएफ/एटीवीएम-एफएसी/एचडब्ल्यूएच/25

दिनांक: 03.04.2025

हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों पर स्थापित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए फेसिलिटेटर की नियुक्ति के संबंध में दिनांक 03.04.2025 को प्रकाशित ऊपर शीर्षांकित विज्ञापन के संदर्भ में, एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कुछ तकनीकी कारणों से आवेदन आमंत्रण सूचना को **निरस्त** किया जाता है। एटीवीएम फेसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए नए आवेदन की प्रक्रिया जल्द ही सूचित की जाएगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

मुर्शिदाबाद में हिंसा मामले में अब तक 22 गिरफ्तार

❑ **हिंसा के बाद मुर्शिदाबाद के दो थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा, इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित**

❑ **इलाके में तनाव कायम, बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात**

कोलकाता : केंद्र के नए वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में मुस्लिम समुदाय के विरोध प्रदर्शन के दौरान मंगलवार को हुई हिंसा के बाद पुलिस का एक्शन जारी है। हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। हिंसा के बाद फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है, लेकिन इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिंसा के बाद रघुनाथगंज और सुती थाना क्षेत्रों में मंगलवार रात से ही बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। साथ ही किसी भी गलत सूचना के प्रसार को रोकने के मकसद से जंगीपुर क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित रखा गया है। जिले के सभी संवेदनशील इलाकों खासकर जंगीपुर शहर और उसके आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थिति फिलहाल शांतिपूर्ण व नियंत्रण में है। निषेधाज्ञा 10 अप्रैल शाम छह बजे तक जारी रहेगी, जबकि इंटरनेट सेवाएं 11 अप्रैल शाम छह बजे तक निलंबित रहेगी।

मालूम हो कि वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर मुर्शिदाबाद के जंगीपुर इलाके में मंगलवार दोपहर को विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। बड़ी संख्या में एकत्रित हुए प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग- 12 को अवरुद्ध कर दिया था। सड़क जाम करने से रोकने पर पुलिस से झड़प हो गई थी। इसके बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव के साथ उसके कुछ वाहनों में तोड़फ़ोड़ की और आग लगा दी थी। इस घटना में कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोल छोड़ने पड़े। हिंसा के बाद बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने इलाके में केंद्रीय बल तैनात करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा रही है और वह अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण में व्यस्त हैं।

❑ **फिर से तनाव फैला, पुलिस ने फिर किया लाठीचार्ज**

इधर, हिंसा के बाद बुधवार सुबह से इलाका शांत था। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, जंगीपुर के कुछ क्षेत्रों में दोपहर में नए सिरे से तनाव फैल गया। धारा 163 लागू होने के बावजूद कपासन इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन की कोशिश की। पुलिस द्वारा रोकने पर प्रदर्शनकारियों के साथ जमकर नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया।

❑ **ममता के निर्देश पर विधायक ने इलाके का किया दौरा, शांति की अपील की**

इधर, हिंसा के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर उनका दूत बनकर स्थानीय तृणमूल विधायक जाकिर हुसैन ने बुधवार को जंगीपुर के अशांत इलाकों का दौरा किया। तृणमूल विधायक ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक की और सभी से किसी भी उकसावे में आए बिना शांति बनाए रखने की अपील की।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-23-24, दिनांक 07.04.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. **ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-23-24** के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में विभिन्न शाखाओं में एलओपी को तैयार करना। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु.24,07,920/-, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 48,200/- **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 18 (अठारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** 29.04.2025 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। HWH-15/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं.: सीओएम/ई-ऑक्शन/एचडब्ल्यूएच/2025 **दिनांक 07.04.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 03 वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग लॉट के परिचालन के लिए ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी की अधिक जानकारी एवं भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in ई-ऑक्शन लीजिंग** मॉड्यूल के माध्यम से देखें। **कैटलॉग सं.: पीएआरके-एचडब्ल्यूएच-एपीआर-5, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** दिनांक 21.04.2025 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं.** और **स्टेशनों के नाम** निम्नानुसार हैं: **(1)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-केकेएई-टीडब्ल्यू-173-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और कैकाला। **(2)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-जेआईटी-टीडब्ल्यू-27-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और जिराट। **(3)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-टीडब्ल्यू-218-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और कटवा। **(4)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-सीजीआर-टीडब्ल्यू-183-24-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और चंदननगर। **(5)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-बीएसएई-टीडब्ल्यू-196-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और बांशबेड़िया। HWH-16/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

गार्डनिंग द्वारा भी संभव है विभिन्न व्याधियों का उपचार

सीताराम गुप्ता

चारों तरफ रंग-बिरंगे फूलों की बहार है। नंग-धड़ंग हो गए पेड़ों के कठोर जिस्मों ने भी कोमल-कमनीय पत्तियों का लिबास धारण कर लिया है। लोग बाग़-बग़ीचों की सैर को उतावले हो रहे हैं। राष्ट्रपति भवन स्थित मुग़ल गार्डन, गार्डन ऑफ़ फाइव सेंसिज़ तथा दूसरे प्रमुख उद्यान अपने उद्यानोत्सवों के माध्यम से लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। बसंत का सम्मोहन लोगों के सर पर चढ़कर बोल रहा है। ऐसे में मनुष्य स्वयं एक नई ऊर्जा से अनुप्राणित होकर कुछ नया, कुछ विचित्रा करने की दिशा में अग्रसर हो रहा है तो कैसा आश्चर्य?

लेकिन क्या कारण है इस परिवर्तन का? इस परिवर्तन का कारण है पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति का स्पर्श, विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, वनस्पतियों, साग-सब्ज़ियों तथा फल-फूलों को उगाना और उनकी देखभाल करना जो एक विज्ञान ही नहीं, एक कला भी है। बाग़बानी, पुष्पोत्पादन, फलोत्पादन या सब्ज़ियों की खेती आदि न केवल एक अच्छी हॉबी या शौक़ है अपितु एक उपचारक पद्धति भी है। प्रकृति अथवा पेड़-पौधों का सामीप्य न केवल पर्यावरण प्रदूषण को सोखकर हमें स्वच्छ परिवेश उपलब्ध कराता है अपितु हमारे तनाव, दुष्चिंता, क्रोध और कुंठा जैसे नकारात्मक मनोभावों को अपने में सोखकर हमें सकारात्मक ऊर्जा तथा मनोभावों से ओतप्रोत कर देता है।

पौधों को उगाना, उनकी देखभाल करना और उनकी पैदावार से लाभ कमाना एक व्यवसाय हो सकता है लेकिन यह एक रचनात्मक कार्य भी है। विशेष रूप से शौक़िया बाग़बानी या गमलों में पौधे उगाना और रचनात्मक कार्य से न केवल हमारे ऊर्जा के स्तर में वृद्धि होती है बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी हमारी क्षमता और कार्य कुशलता में वृद्धि होती है। जब हताशा हावी हो जाए, निराशा से नींद न आए और अवसाद का अंत न हो तो ऐसे में शरीर के तने हुए तंतुओं को तनाव रहित करने के लिए तथा मन-मस्तिष्क को शांत करने एवं संयत रखने के लिए मनोचिकित्सक अब खेती-बाड़ी और बागबानी करने का परामर्श देते हैं।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी या व्यावसायिक चिकित्सा में सिलाई-कढ़ाई, टोकरी बुनना, दरी-कालीन बुनना, मिट्टी अथवा धातु से मूर्तियाँ बनाना, लकड़ी, बाँस अथवा बेंत का सामान बनाना या चित्राकला आदि सहायक होते हैं लेकिन बाग़बानी इन सबमें महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसमें हमारी रचनात्मकता के स्तर में वृद्धि के साथ-साथ प्रकृति से भी हमारा जुड़ाव हो जाता है। बीजों से अंकुर निकलना, कलमों की गाँठों से पत्तियाँ विकसित होना, पौधों का बढ़ना, निरंतर नई-नई पत्तियों का आना और उनके रंग में परिवर्तन होना, कलियों का दृष्टिगोचर होना तथा फूलों का खिलना ये सब ऐसी क्रियाएँ हैं जिनका अवलोकन हमें प्रकृति से जोड़ कर हममें एक नई स्फूर्ति, एक नई चेतना भर देता है।

सर्दियों में पत्रा-पुष्प विहीन कोई ठूँठ-सा लगने वाला पौधा जब बसंत ऋतु का स्पर्श पाकर गाँठ दर गाँठ फूटने लगता है, पल्लवित-पुष्पित होकर अपनी छटा बिखेरने लगता है तो उसे देख कर हमारा मन भी पल्लवित-पुष्पित होने लगता है। हमारी कल्पनाशीलता का विकास होता है तथा रचनात्मकता के स्तर में वृद्धि होती है। मन प्रसन्न होने लगता है। मन प्रसन्न हो तो तन के प्रसन्न अर्थात् स्वस्थ होने में देर नहीं लगती। प्रकृति अपने नए-नए रूपों में प्रकट होने लगती है। प्रकृति की इस अनुपम रचनात्मकता को देखकर हम स्वयं रचनात्मक होने लगते हैं, एक कलाकार बन जाते हैं और पुनः दुगने वेग से पौधों की देखभाल में जुट जाते हैं। मैंने अपने जीवन में जो पहली कविता लिखी थी, वह पौधों की देखभाल के दौरान ही निःसृत हुई थी।

पौधों की देखभाल, कटाई-छँटाई उचित मात्रा में खाद-पानी देना, उनको सलीक़े से रखना तथा सजाना-सँवारना हमारे स्वयं के अंदर एक सुव्यवस्था को उत्पन्न कर देता है। हम अपने जीवन में अधिकाधिक व्यवस्थित होने लगते हैं और इस सब का हमारे स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पौधों की कटाई-छँटाई अथवा प्रूनिंग और उसके बाद नई-नई कोंपलों का विकसित होना इस बात का प्रतीक है कि हम अपने मन में समाए नकारात्मक तथा अनुपयोगी विचारों से मुक्त होकर उनके स्थान पर उपयोगी सकारात्मक विचारों को ग्रहण करने के लिए तत्पर हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत होना स्वाभाविक है अतः हम प्रकृति का सान्निध्य पाने के लिए सदैव तत्पर एवं उद्यत रहते हैं और यदि बाग़बानी के रूप में इस प्राकृतिक सौंदर्य का निर्माण हम स्वयं करते हैं तो हमें अद्वितीय आनंद की प्राप्ति होती है। हम अपने रहने के कमरे में बनावटी पौधों की जगह यदि वास्तविक पौधे रखते हैं हमारे पूरे परिवार के स्वास्थ्य और चिंतन पर इसका अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे हमें न केवल प्राकृतिक परिवेश मिलता है अपितु ऑक्सीजन के रूप में अधिकाधिक मात्रा में जीवनदायिनी ऊर्जा भी प्राप्त होती है। हमारी प्राणदायिनी शक्ति अथवा ऊर्जा के स्तर में वृद्धि का सीधा सा तात्पर्य है हमारा अधिकाधिक स्वस्थ तथा उत्साहपूर्ण होना।

पेड़-पौधों द्वारा मनोरोगों का उपचार करने के लिए अमरीका के गैटिस्बर्ग मैरीलैंड में अमरीकन हॉर्टीकल्चर थेरेपी एसोसिएशन नामक समिति का गठन किया गया है जिसने इस क्षेत्रा में कई महत्त्वपूर्ण प्रयोग और शोधकार्य किए हैं। प्रयोगों और शोधकार्यों के आधार पर समिति का दावा है कि मिट्टी की मनभावन महक भी मन-मस्तिष्क एवं स्नायुतंत्रा पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। जंगली खर-पतवार की कटाई-छँटाई से अवसाद कम होता है और गहन हरीतिमा तथा प्रतिदिन बढ़ते पेड़-पौधे निराशा को दूर कर जीवन के प्रति आशा तथा उत्साह का संचार करने में पूरी तरह सक्षम होते हैं। प्रकृति के सान्निध्य से लाभांवित होकर अद्वितीय आनंद की प्राप्ति करने तथा पूर्ण रूप से स्वस्थ एवं उत्साहित बने रहने के लिए आज ही बाग़बानी को अपनी जीवन शैली का अनिवार्य अंग बना लीजिए। (स्वा.द.)

ठंडा पानी कब नहीं पीना चाहिए?

गर्मी के मौसम में ठंडा पानी पीना राहत देने वाला लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा ठंडा या फ्रिज का पानी पीना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है? आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों इस बात पर जोर देते हैं कि ठंडा पानी कब और कैसे पीना चाहिए।

ठंडा पानी तुरंत राहत देता है, लेकिन इसका अधिक सेवन या गलत समय पर सेवन आपकी सेहत के लिए खतरे का कारण बन सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए मटके या सामान्य तापमान का पानी पीना सबसे उपयुक्त होता है। आइए कब और किसे फ्रिज का ठंडा पानी पीने से परहेज करना चाहिए और जरूरत से ज्यादा ठंडा पानी पीने से कौन सी बीमारियां हो सकती हैं, साथ ही फ्रिज का पानी पीने के क्या नुकसान हो सकते हैं।

ठंडा पानी कब नहीं पीना चाहिए?

अगर आप को ठंडा पानी पीने के इच्छा है तो भी कुछ खास मौकों पर कभी भी ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए। फ्रिज का ठंडा पानी पीने का एक सही समय होता है। खाने के तुरंत बाद भूल से भी ठंडा पानी न पीएं। क्योंकि ठंडा पानी पाचन क्रिया को धीमा कर देता है। इससे गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

व्यायाम या वर्कआउट के तुरंत बाद फ्रिज का पानी पीना नुकसानदायक हो सकता है। वर्कआउट के दौरान शरीर गर्म होता है और ठंडा पानी अचानक पीने से झटका लग सकता है। इससे मांसपेशियों में अकड़न और थकान बढ़ सकती है। सर्दी-जुकाम या बुखार में ठंडा पानी पीने से स्थिति और बिगड़ सकती है और गले की सूजन बढ़ सकती है। इसके अलावा सोने से ठीक पहले ठंडा पानी पीने से पाचन पर असर पड़ सकता है और नींद में खलल पड़ सकती है।

ईयर फोन न बन जाएं किलर फोन

नीतू गुप्ता

माबाइल और आईपॉड पर ईयर फोन से म्यूजिक सुनने का चलन जब से बढ़ा है, तब से दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं चाहे वो दुर्घटना जान जाने की हों, एक्सीडेंट की हो या कान से कम सुनाई देने की। ईयरफोन से म्यूजिक सुनने या बात करने से धीमी आवाज भी साफ और तेज सुनाई देती है क्योंकि ईयर फोन कान के बहुत पास होते हैं और साउंड लॉस बहुत कम होता है।

साउंड लॉस कम होने के कारण आस पास के शोर की आवाजें सुनाई नहीं देती, अगर सुनाई भी देती हैं तो इतनी कम कि हमारा ध्यान उस ओर आकर्षित नहीं होता। इतने में दुर्घटना घटित हो जाती है। कितने ही पढ़े लिखे युवक युवतियां म्यूजिक सुनते सुनते मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं, फिर भी लोग सीखते नहीं।

ड्राइविंग के साथ न करें मोबाइल फोन का इस्तेमाल

▲ ड्राइविंग करते हुए मोबाइल फोन पर बात करना सड़क हादसों को निमंत्राण देना है। जब भी ड्राइविंग कर रहे हों तो मोबाइल पर बात न करें। अगर कोई कॉल आती भी हो तो उसे काट दें या सड़क के एक किनारे पर स्कूटर, गाड़ी लगाकर बात करें।

▲ शराब पीकर गाड़ी चलाना जितना खतरनाक है उतना ही मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाना है, इसलिए गाड़ी चलाते हुए मोबाइल का प्रयोग न करें।

▲ बहुत से लोग सोचते हैं कि हैंडस फ्री ईयर फोन के जरिए मोबाइल पर बात करना सुरक्षित है परन्तु विशेषज्ञों के अनुसार आपका ध्यान गाड़ी चलाने में लगभग 40 प्रतिशत बंट जाता है।

▲ फोन से अधिक एस एम एस पढ़ना या करना खतरनाक है क्योंकि एस एम एस पढ़ते और करते समय आपको अपनी आंखें सड़क से हटाकर मोबाइल के स्क्रीन पर लगानी होती हैं। यह तो और भी खतरनाक स्थिति है।

ईयरफोन का प्रयोग इन स्थानों पर मत करें:-

▲ ईयरफोन लगाकर गाने सुनना या बात करना मोबाइल पर गलत नहीं है पर कुछ स्थान ऐसे हैं जहां हम ईयरफोन का प्रयोग करते हैं तो हम खतरों से घिर सकते हैं, जैसे:-

▲ सड़क पार करते समय या सड़क के किनारे चलते समय।

▲ गाड़ी चलाते समय।

▲ स्टेशन, बस स्टॉप, हवाई अड्डे पर।

▲ गाड़ी पार्क करते समय या पार्किंग साइट पर।

▲ मॉल या अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर।

▲ कन्स्ट्रक्शन साइट्स पर।

▲ पुल पर, पुल के नीचे या पुल खत्म होने के आसपास।

▲ कोई भी जरूरी काम करते समय।

▲ जब आप मोबाइल पर गाने सुन रहे हैं या दूसरे से बात कर रहे हैं तो वॉल्यूम हल्का रखें।

▲ दो घंटे से अधिक ईयरफोन कान पर न लगा कर रखें, अगर लंबे समय तक लगाना भी हो तो थोड़े इन्टरवल पर कानों को आराम दें।

▲ रात्रि को अगर आप ईयरफोन प्रयोग कर बात कर रहे हैं या म्यूजिक सुन रहे हैं तो उन्हें निकाल कर रख दें, फिर सोने जाएं नहीं तो कानों को काफी नुकसान पहुंच सकता है।

▲ ऐसे ईयरफोन का चुनाव करें जो कानों के भीतर अधिक न जाएं बल्कि बाहरी हिस्से तक ही रहें।

▲ बीच बीच में सिंगल ईयर फोन का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ईयर फोन से सेहत पर पड़ने वाले प्रभाव से बचें:-

▲ ईयर फोन और हेडफोन का अधिक इस्तेमाल आपकी सुनने की क्षमता पर प्रभाव डाल सकता है।

▲ फुल वाल्यूम पर म्यूजिक न सुनें। इससे श्रवण शक्ति प्रभावित होती है। अगर म्यूजिक सुनना भी है तो 10 से 50 फीसदी वाल्यूम पर ही सुनें।

▲ लगातार आई पॉड पर म्यूजिक न सुनें। अधिक से अधिक 60 मिनट तक सुनें और वाल्यूम भी 60 फीसदी से अधिक न रखें। (स्वा.द.)

गर्मी में सूखी खांसी के लिए घरेलू उपाय, जल्द मिल सकता है आराम

आमतौर पर सर्दियों में सर्दी-जुकाम और फ्लू के कारण सूखी खांसी आने लगती है लेकिन गर्मियों में भी सूखी खांसी हो सकती है। गर्मी के मौसम में एलर्जी, संक्रमण या अन्य कई कारणों से सूखी खांसी हो सकती है। खांसी एक आम समस्या है, जिसे कई घरेलू उपाय अपनाकर ठीक किया जा सकता है। कई मामलों में ये उपाय खांसी के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं और अधिकतर मामलों में इन का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। आइए जानते हैं गर्मियों में सूखी खांसी क्यों हो सकती है, इसके लक्षण क्या है और गर्मी के मौसम में सूखी खांसी से राहत पाने के लिए कौन से घरेलू उपायों को अपनाया जा सकता है।

लक्षण

सूखी खांसी में बलगम नहीं बनता है। इसमें गले में खुजली और जलन जैसा महसूस होता है। साथ ही लगातार खांसी आती है, गले में खिचखिच, रात में तेज खांसी आना, आवाज कर्कश होना, गले में खरोच जैसा अनुभव होना, सांस लेने में तकलीफ और सीने में परेशानी होना सूखी खांसी के लक्षण है।

सूखी खांसी आने के कारण

वैसे तो सूखी खांसी के कुछ सामान्य लक्षण हैं, जैसे एलर्जी, अस्थमा, एसिड रिफ्लक्स, ब्रोंकाइटिस, वायरल संक्रमण (सर्दी और फ्लू), श्वसन संक्रमण, गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग, धूम्रपान आदि। हालांकि गर्मी के मौसम में सूखी खांसी हो रही है तो इसके कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं, जिस पर नियंत्रण करके आप खांसी रोक सकते हैं।

दरअसल गर्मियों में लोग फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं और गर्मी से राहत पाने के लिए आइसक्रीम का सेवन करते हैं। बाहर की तपन के चलते ठंडी चीजों का सेवन गले पर प्रभाव डाल सकता है, जिससे गले में दर्द, खांसी और जुकाम-बुखार होने की संभावना बढ़ जाती है।

सूखी खांसी के लिए घरेलू उपाय

शहद

शहद एंटीबैक्टीरियल गुणों से युक्त होता है जो खांसी को दूर करने के साथ ही दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है। गर्मी के मौसम में खांसी होने पर शहद को हर्बल टी या नींबू पानी में डालकर पीने से खांसी में तुरंत आराम मिलने की संभावना रहती है।

नमक के पानी से गरारा

गर्मियों में होने वाली सूखी खांसी को ठीक करने के लिए पानी में नमक मिलाकर गरारे करने चाहिए। इससे फेफड़ों में जमा बलगम कम होता है और गले को आराम मिलता है।

सूखी खांसी के

कुछ जादुई नुस्खे

सुनीता गाबा

◆ गुर्दे और मूत्राशय की पथरी खत्म करने के लिए चने की दाल को रात में भिगो दें। प्रातः काल दाल को शुद्ध शहद के साथ खायें।

◆ स्नान करते समय मुंह में पानी भरकर स्नान करें। नहाने के बाद शरीर पोंछें, फिर पानी बाहर निकाल दें। ऐसा करने से सर्दियों में जुकाम नहीं होगा।

◆ शौच जाते समय मुंह बंद रखें व श्वास नाक द्वारा लें। दांतों को भींचकर बैठें। इससे दांत संबंधित रोग नहीं होंगे और समय से पूर्व दांत नहीं गिरेंगे।

◆ स्नान करने के अंत में नींबू व ग्लिसरीन युक्त पानी शरीर पर डालें। इससे शरीर व बाल स्वस्थ रहेंगे।

◆ पानी हमेशा बैठ कर पिएं और दूध खड़े होकर। इस प्रकार दूध और पानी के सेवन करने के तरीके से घुटनों और टांगों में दर्द नहीं होगा।

◆ प्रातःकाल 5 मिनट तक ताली इस प्रकार बजाएं कि उंगलियां आपस में न टकराएं। इस प्रकार नियमित ताली बजाने से आंखें स्वस्थ रहती हैं, रोशनी बढ़ती है और धीरे-धीरे चश्मे का नंबर कम होता है।

◆ पाचन संबंधी रोगों को दूर करने के लिए लकड़ी के पट्टे पर भोजन रख कर लकड़ी के पट्टे पर बैठकर भोजन ग्रहण करें।

◆ प्रातः उठते ही मुंह का रूख पूर्व या उत्तर दिशा में करके दोनों हथेलियों को रगड़कर अपने हाथ जोड़ों, दिल व आंखों पर बारी बारी रगड़ते हुए लगाएं। इससे जोड़ों के दर्द में राहत मिलेगी और आंखें स्वस्थ रहेंगी।

◆ स्नान करने के बाद अंगूठे और अंगुली के बीच में तेल लगाएं। याददाश्त ठीक बनी रहेगी।

◆ मूली के बीज साफ करके एक गिलास पानी में उबाल लें। उन्हें तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। फिर ठंडा कर पी लें। लगातार एक महीना सेवन करते रहें। पथरी गल कर निकल जाएगी।

कब्ज में राहत पाने के लिए दो तीन तुलसी दल तोड़कर मसलकर तांबे के बर्तन में डालकर पानी भर दें। प्रातः उठते ही उस पानी का सेवन कर लें। लाभ मिलेगा। (स्वा.द.)

मूत्रनली संक्रमण- तुरंत इलाज जरूरी है

नीतू गुप्ता

महिलाओं में पुरूषों की तुलना में मूत्रा नली संक्रमण की समस्या अधिक होती है। संक्रमण का मुख्य कारण होता है बैक्टीरिया। ये बैक्टीरिया योनिद्वार से पेशाब बाहर आने वाली नली में चले जाते हैं जो इंफेक्शन पैदा करते हैं। पेशाब करते समय खुजली का होना, पेशाब का रुक रुक कर आना, 'यूरिनरी टेक्रक इंफेक्शन' का संकेत करता है।

ऐसे में समय पर विशेषज्ञ से जांच करवा लेना ही हितकर होता है। बार-बार संक्रमण होने से ज्वर हो जाता है। शरीर एक दम कमजोर पड़ने लगता है। लगातार संक्रमण होने से गुर्दे भी खराब होने का खतरा रहता है। मूत्रा नली संक्रमण होते ही कुछ सावधानियां बरतें:-

■ पानी का अधिक सेवन करें। जितना पानी पिएंगे, वह पेशाब के रूप में बाहर निकलेगा जिससे बैक्टीरिया के कीटाणु अन्दर पनपने नहीं पाएंगे।

■ अपने भोजन में विटामिन सी की मात्रा बढ़ा दें।

■ विशेषतः जो स्त्रियां मासिक धर्म के दिनों में 'टेम्पून' का प्रयोग करती हैं, उन्हें 'टेम्पून' के स्थान पर 'सेनिटरी पैड' प्रयोग में लाने चाहिएं।

■ खाने में मूंग की दाल, चावल, रोटी, करेले की सब्जी, ड्रमस्टिक्स की सब्जी फायदेमंद होती है।

■ गाजर के मौसम में गाजर का जूस प्रति दिन सुबह पियें। गाजर के रस में शहद और नींबू का रस मिला सकते हैं।

■ फलों में अनार और आंवले का सेवन अधिक करें।

■ नारियल पानी का सेवन भी संक्रमण को दूर करने में मदद करता है।

■ जब भी नहायें या पेशाब करने जाएं, अपनी योनिद्वार को अच्छी तरह स्वच्छ जल से धोएं।

■ सूती अंडरवियर प्रयोग में लायें। प्रतिदिन धुला और साफ अंडरवियर पहनें।

■ शादीशुदा महिलाओं को इस संक्रमण के दिनों में पति से यौन संबंध से परहेज़ करना चाहिए। ऐसा करने से संक्रमण अधिक हो सकता है।

■ डाक्टरी सलाह के अनुसार दवा और सफाई पर विशेष ध्यान दें। डाक्टर को सब स्पष्ट रूप से बताएं, कुछ छिपाएं नहीं। (स्वा.द.)

सेहत की खबरें

सीतेश कुमार द्विवेदी

परिपक्व होते हैं 30 वर्ष की उम्र में

भारत में परिपक्व (मैच्योर) होने को लेकर मापदंड अलग-अलग हैं। श्रम के मामले में 14 वर्ष से कम उम्र के श्रमिक को बाल श्रमिक माना जाता है जिनसे काम लेना अपराध है अर्थात 14 वर्ष से अधिक उम्र वाले से श्रम कराया जा सकता है। यहां 18 वर्ष की उम्र में युवक-युवती को मताधिकार प्राप्त हो जाता है जबकि वह इस उम्र में पंच, सरपंच, पार्षद, सांसद, विधायक का चुनाव लड़ने के लिए पात्रा नहीं होता है। हां, वह छात्रासंघ का चुनाव लड़ सकता है।

18 वर्ष की लड़की बालिग (वयस्क) मानी जाती है। इस आयु में वह शादी कर शारीरिक संबंध बना सकती है। 18 वर्ष का युवक भी बालिग (वयस्क) माना जाता है। कानूनन युवक के लिए विवाह की उम्र 21 वर्ष है। वह इस आयु में मदिरा सेवन कर सकता है। वैसे समाज में शरीर को मापदंड मानकर कम उम्र में शादी करा दी जाती है। बाल विवाह कानूनन अपराध है। बड़े-बूढ़े अक्लदाढ़ के निकलने को आधार मानकर इस समय को मस्तिष्क से परिपक्व होना मानते हैं।

परिपक्व होने को लेकर मेलबोर्न में हुए एक शोध के मुताबिक ज्यादातर युवा 30 वर्ष की उम्र में परिपक्व होते हैं जबकि युवतियां पहले ही मैच्योर हो जाती हैं। लड़का हो या, लड़की इनकी अक्लदाढ़ 24 वर्ष से 32 वर्ष की उम्र के बीच निकलती है। इस अक्लदाढ़ का निकलना खान-पान, स्थान एवं वंशानुगत होता है। सभी दांतों के निकल जाने के बाद अक्लदाढ़ के निकलने की बारी अंत में आती है।

रसायनों के प्रभाव से हो सकता है हृदय रोग

जिन स्थानों, कारखानों एवं चौक-चौराहों में रसायनों की मात्रा वायुमंडल में अधिक होती है, वहां रहने वालों को हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। लुब्रिकेंट, पालिश एवं पैकेजिंग सामानों में तेज रसायनों का उपयोग किया जाता है जो उपयोग के समय तेजी के साथ वाष्पीकृत होकर सांस से हृदय एवं रक्त में पहुंचकर नुकसान पहुंचाते हैं।

निराशा बढ़ाती है बी.पी. की बीमारी

हायपरटेंशन, बी.पी. एवं हृदय रोग ये सभी एक ही परिवार की बीमारियां हैं। इनका दिल की कार्यविधि से गहरा नाता है। हायपरटेंशन एवं बी.पी. रक्तचाप के बढ़ने को बताता है जबकि लो बी.पी. रक्तचाप की कमी को दर्शाता है। हृदय की खामी एवं परेशानी से हृदय रोग होता है। मधुमेह भी दिल से जुड़ी बीमारियों को बढ़ाता है। दुनियां में आज सबसे अधिक रोगी इसी परिवार के हैं।

बोलचाल में उच्च रक्तचाप को मात्रा बी.पी. की बीमारी कहकर बताया जाता है। बी.पी. के बढ़ने पर खतरा बढ़ता जाता है। यह कई कारणों से होता एवं बढ़ता है। मनोभाव भी बी.पी. की संभावना को कम ज्यादा करते हैं। फिनलैंड में किए एक शोध के मुताबिक आशावादी लोगों की तुलना में निराशावादी लोगों को बी.पी. की बीमारी होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है। वैसे बी.पी. वंशानुगत, धूम्रपान, शराब, तनाव, अवसाद, श्रम की कमी, कोलेस्ट्रॉल आदि के कारण भी होता है।

पालतू जानवर बचाते हैं एलर्जी से

एलर्जी शरीर की ऐसी पीड़ित अवस्था है जिसमें एलर्जीकारक चीजों के सम्पर्क में आने पर व्यक्ति परेशान हो जाता है। सभी यह मानते हैं कि पालतू जानवरों के ज्यादा सम्पर्क में रहने पर अनेक प्रकार की बीमारियां होती हैं। वैज्ञानिक भी मानते हैं कि सभी पालतू जानवरों की अपनी भी बीमारियां होती हैं। इनके शरीर में तरह-तरह के कीड़ों, बैक्टीरिया एवं वायरस का वास होता है। जानवर के व्यक्ति के सम्पर्क में आने पर वह बीमार हो जाता है किंतु यदि बच्चे इनके साथ रहें या खेलें तो बच्चों में एलर्जी रोधी गुण का विकास होने लगता है। ऐसे बच्चों में दमा से बचने वाले गुण का विकास होने लगता है। वैसे सांस की बीमारियां वायरस के कारण होती हैं। पालतू जानवर बच्चों में इनसे बचने की क्षमता का विकास करते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार पालतू जानवरों की ही भांति रेत या धूल में खेलने वाले बच्चों को भी यही लाभ मिलता है।

जागरूक होकर मधुमेह को मात दें

देश में स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही एवं आधुनिक फास्टफूड वाली व्यस्त जीवनशैली के कारण मधुमेह के मरीजों का दायरा तेजी के साथ बढ़ रहा है। यहां मधुमेह रोगियों की संख्या अब 7 करोड़ पहुंच गई है। श्रम व्यायाम के अभाव के कारण युवाओं में मधुमेह पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है। जागरूकता की कमी इनकी संख्या में वृद्धि कर रही है। जागरूक हो जाने पर मधुमेह की संभावना में 5 प्रतिशत की कमी आ जाएगी।

पूरे विश्व में इसके 30 करोड़ ज्ञात रोगी हैं। इनमें से 99 प्रतिशत, भारत, श्रीलंका एवं बांग्लादेश में हैं। इनमें से सर्वाधिक रोगी टाइप-2 डायबिटिज के हैं। इनका मधुमेह आहार को संतुलित कर श्रम व्यायाम करने से नियंत्रित हो सकता है। देश की अधिकतर बीमारियां लापरवाही एवं जागरूकता की कमी के कारण हैं। इन्हें ऐसा कर रोका या कम किया जा सकता है।

शर्मीले होते हैं अधिक समझदार

जो शर्मीले होते हैं, वे प्रायः डरे सहमे से रहते हैं। वे कोई भी बड़ा कदम भयवश उठा नहीं पाते हैं। किसी भी काम की अच्छाई एवं बुराई को ध्यान रखकर संभल-संभल कार्य करते हैं। ये कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहते। कभी-कभी इनमें दब्बूपन झलकता है। इन सबके बाद भी ये अन्य से अधिक समझदार होते हैं। इनका हर कदम एवं काम समझदारीपूर्ण होता है। ये दूसरों के चेहरे के भावों को पढ़ सकते हैं। ये इसमें माहिर होते हैं।

सर्वे के मुताबिक यह शर्मीलापन उन्हें दूसरों से पृथक रखता है किंतु इनके सकारात्मक पक्ष को मद्देनजर रखकर अब किसी शर्मीले से सामना हो तो संभल जाएं। सामने मौजूद वह शर्मीला व्यक्ति आपकी सभी हरकतों एवं मनोभावों को भांप कर आपके बारे में बहुत कुछ जान गया है।

बिना वजह डाइटिंग होती है खतरनाक

मोटापे के खौफ से भयभीत एवं जीरो बॉडी या कमनीय काया की चाह में डाइटिंग का क्रेज बढ़ गया है किंतु कम आयु में एक मापदंड का ध्यान न रखकर डाइटिंग करना खतरनाक होता है। शरीर का आकार-प्रकार वंशानुगत एवं उम्र के अनुसार होता है।

ऊंचाई के अनुरूप वजन एवं मांस मज्जा जरूरी होते हैं किंतु उन्हें ध्यान रखकर डाइटिंग न करने एवं खान-पान की पौष्टिकता में गैर जरूरी कटौती करने पर सेहत को नुकसान पहुंचता है जिससे शरीर का विकास एवं मजबूती प्रभावित होती है। अतएव डाइटिंग करनी है तो वंशानुगत शारीरिक ढांचा, उम्र, ऊंचाई को ध्यान में रखकर खान पान में कटौती करें। हर हाल में शरीर के विकास एवं मजबूती के लिए खानपान की पौष्टिकता को बरकरार रखें। (स्वा.द.)

न्यूज इन ब्रीफ

पवन कल्याण ने अपने घायल बेटे से सिंगापुर के अस्पताल में मुलाकात की

अमरावती : आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपने सबसे छोटे बेटे मार्क शंकर से सिंगापुर के एक अस्पताल में मुलाकात की, जहां दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश के एक स्कूल में आग लगने की घटना से झुलसने के बाद मार्क का इलाज किया जा है। जन-सेना पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। आग की घटना में झुलसने और धुंए के कारण फेफड़ों की जटिलताओं की वजह से मार्क को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पार्टी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मार्क शंकर की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। हैदराबाद से मंगलवार रात सिंगापुर पहुंचने के बाद कल्याण सीधे अस्पताल गए, जहां उन्होंने अपने बेटे से मुलाकात की। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''धुएं के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।''

बिहार में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत

पटना : बिहार के चार जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बेगूसराय में पांच, दरभंगा में चार, मधुबनी में तीन और समस्तीपुर में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मौतों पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि कुमार ने राज्य के लोगों से आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी सलाह का पालन करने की अपील की है। इस साल फरवरी में बजट सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में पेश की गई बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 2023 में आकाशीय बिजली गिरने या वज्रपात से संबंधित 275 मौतें हुईं।

बिहार के गया में विवाद के बाद पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या की

गया : बिहार के गया जिले में 32 वर्षीय महिला की उसके पति ने विवाद के बाद कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना अतरी थाना क्षेत्र के टेटुआ गांव में हुई। पीड़िता सुषमा देवी का पति रमेश सिंह ट्रक चालक है और मंगलवार को वह पटना से घर आया था। सुषमा की छोटी बहन पूनम कुमारी ने आरोप लगाया, ''कल रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। उसी दौरान रमेश सिंह ने उसकी बहन को गोली मार दी और फरार हो गया।'' पुलिस ने बताया कि सुषमा के शव के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आनंद कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, ''जांच जारी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।''

एअर इंडिया की दिल्ली-बैंकॉक उड़ान में एक यात्री ने दूसरे यात्री पर पेशाब किया

नयी दिल्ली/मुंबई : राष्ट्रीय राजधानी से बुधवार को बैंकॉक जा रही एअर इंडिया की उड़ान के दौरान एक यात्री ने एक अन्य यात्री पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसकी दिल्ली-बैंकॉक उड़ान में ''यात्री के अभद्र व्यवहार'' की घटना की सूचना चालक दल ने दी। एअर इंडिया ने कहा, ''चालक दल ने सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया और मामले की सूचना अधिकारियों को दी गई। अभद्र व्यवहार के लिए यात्री को चेतावनी देने के अलावा, हमारे चालक दल ने पीड़ित यात्री को बैंकॉक में अधिकारियों के समक्ष शिकायत उठाने में सहायता करने की पेशकश की, जिसे उस समय अस्वीकार कर दिया गया।''

जैन धर्म ने भारत की पहचान स्थापित करने में अमूल्य भूमिका निभाई : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि जैन धर्म ने भारत की पहचान स्थापित करने में अमूल्य भूमिका निभाई है और इसके मूल्य आतंकवाद, युद्ध व पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों से पार पाने में मददगार हैं। मोदी ने 'नवकार महामंत्र दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस प्राचीन धर्म की विरासत और शिक्षाओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों की शिक्षाओं और मूर्तियों के जरिए इस धर्म का प्रभाव संसद भवन पर दिखाई देता है। अनेकांतवाद के सिद्धांत का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया को इसकी बहुत जरूरत है क्योंकि इसके तहत विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना की जाती है। अनेकांतवाद जैन धर्म में गैर-निरपे-क्षता को बढ़ावा देने वाला एक प्रमुख सिद्धांत है। इसके तहत यह माना जाता है कि अंतिम सत्य को अलग-अलग तरीके से देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैन धर्म में जीवन की पारस्परिक निर्भरता का खासा महत्व है और इसीलिए इसमें मामूली हिंसा पर भी रोक है। उन्होंने कहा कि यह शांति, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे अच्छा सबक है। मोदी ने कहा कि जैन साहित्य भारत की आध्यात्मिक भव्यता की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इसे संरक्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है, जिसमें इसके प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण और पाली व प्राकृत को शास्त्रीय भाषा घोषित करने की हालिया योजना भी शामिल है। मोदी ने लोगों से जल संरक्षण, अपनी मां की याद में एक पेड़ लगाना, स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्थानीय लोगों के लिए मुखर होना, देश में यात्रा करना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, मोटे अनाजों का अधिक सेवन कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत की कटौती करना, गरीबों की मदद करना और खेल तथा योग को दिनचर्या में सम्मिलित करने समेत नौ प्रतिज्ञाएं लेने का अनुरोध किया।

राजस्थान में तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस, दिल्ली में अप्रैल में तीन साल में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान

नयी दिल्ली : राजस्थान में भीषण गर्मी और उष्ण लहर की स्थिति बनी हुई है, वहीं दिल्ली में बुधवार को अप्रैल में तीन साल में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में राजस्थान के बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में भीषण गर्मी का दौर अगले 24 घंटों तक जारी रहने की संभावना है। हालांकि, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 10 और 11 अप्रैल को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर और जोधपुर संभाग के कुछ भागों में गरज के साथ बारिश होने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 5.6 डिग्री अधिक और अप्रैल में तीन वर्ष में सबसे अधिक है। इसने कहा, ''केवल पालम मौसम केंद्र में ही कल रात में गर्मी की स्थिति दर्ज की गई। आज सभी पांच समकालिक मौसम केंद्रों पर यह स्थिति दर्ज की गई।'' आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, अन्य निगरानी मौसम केंद्रों में आयानगर में अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस, पालम में 40.3 डिग्री सेल्सियस, रिज में 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि लोधी रोड केंद्र में अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पांच में से चार निगरानी मौसम केंद्रों में दिल्ली में उष्ण लहर की स्थिति दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, 2024 और 2023 दोनों वर्षों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा था।

भारत ने नौसेना के लिए 26 राफेल-एम जेट की खरीद को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को फ्रांस से करीब 64,000 करोड़ रुपये की लागत से नौसेना के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस खरीद परियोजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीएस) ने मंजूरी दे दी है। भारत और फ्रांस के बीच अंतर-सरकारी रूपरेखा के तहत अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग पांच साल बाद जेट विमानों की खेप भेजने की शुरुआत होगी। इस सौदे के तहत, भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) जेट विमानों के निर्माता दसॉल्ट एविएशन से हथियार प्रणालियों और कलपुर्जों सहित संबद्ध सहायक उपकरण भी मिलेंगे। जुलाई 2023 में, भारत और फ्रांस ने जेट और हेलीकॉप्टर इंजन के संयुक्त विकास सहित कई महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग परियोजनाओं की घोषणा की। दोनों रणनीतिक साझेदारों ने अन्य देशों के लिए उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन में सहयोग करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की थी। लगभग दो साल पहले मंत्रालय ने फ्रांस से तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को भी मंजूरी दे दी थी। हालांकि, सी-सीएस ने अभी तक इस परियोजना को मंजूरी नहीं दी है। भारतीय नौसेना की 'परियोजना 75' के तहत, फ्रांस के नौसेना समूह के सहयोग से मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा भारत में पहले ही छह स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का निर्माण किया जा चुका है।

चिनाब रेल पुल ने जम्मू-कश्मीर में विकास के नये युग की शुरुआत की : रेलवे

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि प्रतिष्ठित चिनाब रेल पुल केवल दो पहाड़ों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर के लिए सपनों, विकास और एक नए युग का भी सूत्रपात करता है। मंत्रालय का यह बयान 19 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसके आधिकारिक उद्घाटन से पहले आया है। मोदी 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क के पूरा होने के उपलक्ष्य में जम्मू से कटरा के रास्ते श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, ''हिमालय के भौगोलिक रूप से जटिल और अस्थिर भूभाग पर

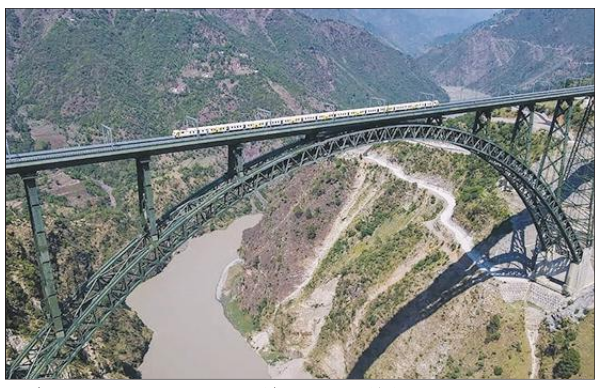

निर्मित चिनाब पुल बुनियादी ढांचे की एक उपलब्धि से कहीं अधिक है। यह भारत के साहस, नवाचार और सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रगति लाने के अटूट संकल्प का प्रतीक है।'' यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया, ''चूंकि यह पुल चिनाब नदी पर बना है, इसलिए यह सिर्फ दो पहाड़ों को ही नहीं जोड़ता, यह जम्मू-कश्मीर के लिए सपनों, विकास और एक नए युग का सूत्रपात भी करता है।''

अयोध्या मंदिर में राम दरबार छह जून से श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा- नृपेंद्र मिश्र

लखनऊ : अयोध्या में राम मंदिर में अगले महीने राम दरबार स्थापित किया जाएगा जिसे श्रद्धालुओं के लिए छह जून से खोला जाएगा। हालांकि यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह जैसा नहीं होगा। मंदिर निर्माण समिति के प्रमुख नृपेंद्र मिश्र ने यह जानकारी दी है। यह आयोजन, 2020 में शुरू हुए मंदिर निर्माण के पूरा होने से भी जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 2024 में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। मिश्र ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, राम लला की प्राण प्रतिष्ठा इस मंदिर के भूतल पर 2024 में हो चुकी है। अब राजा राम को प्रथम तल पर राम दरबार में विराजमान करने की बारी है। अनुमान है कि भगवान राम, उनके भाइयों और माता सीता की प्रतिमाएं अयोध्या

पहुंचेंगी और 23 मई को मंदिर के प्रथम तल पर इन्हें स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, जब भगवान राम की प्रतिमा उनके दरबार में स्थापित होंगी तो स्वभाविक है कि एक धार्मिक समारोह के बाद ही यह होगा। यहां पूजा होगी, लेकिन इसे प्राण प्रतिष्ठा कहना ठीक नहीं होगा क्योंकि प्राण प्रतिष्ठा पहले ही हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के डीए में दो फीसदी की बढ़ोतरी की

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का बुधवार को फैसला किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के निर्णय के अनुरूप यह फैसला किया है और राज्य के कर्मचारियों का डीए 53 फीसदी से बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है जो एक जनवरी 2025 से लागू होगा। इस निर्णय से राज्य सरकार के कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस वृद्धि से लगभग 16 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

पंजाब : पाक से लगती सीमा पर आईईडी विस्फोट में बीएसएफ का जवान घायल, अलर्ट जारी

नयी दिल्ली/अमृतसर : पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ से थोड़ा पहले मंगलवार देर रात को संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में हुए धमाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान 'गंभीर रूप से' घायल हो गया। बल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। बल ने बताया कि इस सीमा पर यह पहला मामला है जिसमें किसी को मारने और घायल करने के लिए विस्फोटकों और छर्रों के खतरनाक मिश्रण का इस्तेमाल किया गया। बीएसएफ ने बताया कि बल का एक दल रात के समय बाड़ के इस पार 'क्षेत्रीय नियंत्रण' गश्त कर रहा था, तभी उसे भारतीय क्षेत्र में 'कई' आईईडी लगाए जाने की जानकारी मिली। बल की ओर से जारी बयान के मुताबिक कि तलाशी के दौरान, छिपाए गए कुछ आईईडी के विस्फोटक उपकरण गलती से फट गए, जिसके परिणामस्वरूप बीएसएफ जवान के पैर में गंभीर चोट आई। यह घटना गुरदासपुर जिले के दोरंगला गांव के पास मंगलवार देर रात करीब एक बजे हुई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब से लगती 532 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है और विस्फोट वाले क्षेत्र के आसपास खेती पर रोक लगा दी है। बीएसएफ उप महानिरीक्षक (पंजाब फ्रंटियर) ए के विद्यार्थी ने बताया, ''लगभग दो-दो किलोग्राम के दो आईईडी और एक विस्फोटक उपकरण छिपाया गया था।'' उन्होंने बताया कि एक आईईडी में उस समय धमाका हो गया जब जवान का गलती से पैर उसपर पड़ गया, जबकि दूसरी आईईडी को बीएसएफ की बम निरोधक टीम ने सुबह होने पर निष्क्रिय कर दिया। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के कारण कांस्टेबल रैंक के जवान के पैर में चोटें आईं और उसका एक पैर का अंगूठा उड़ गया। उन्होंने बताया कि जवान की हालत अब स्थिर है।

वाराणसी में युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में नौ आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उप्र) : शहर के लालपुर पांडेयपुर इलाके में 19 वर्षीय एक युवती के साथ कथित रूप से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अभी तक 23 में से 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि बाकी आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त विदुश सक्सेना ने बताया कि लालपुर पांडेयपुर इलाके में एक युवती के साथ कथित रूप से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अभी तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। सक्सेना ने बताया कि पीड़ित युवती ठीक है और पुलिस लगातार उसके परिवार से संपर्क बनाये हुए है। जब पीटीआई संवाददाता ने पीड़िता की मां को फोन लगाया तो उन्होंने कुछ भी बात करने से इनकार कर दिया।

नमोकार महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक दुखों से मुक्ति दिलाता है : आदित्यनाथ

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'विश्व नमोकार महामंत्र दिवस' पर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ। बुधवार को गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 'जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन' द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति ना केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा ''पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा। सभी लोगों को जैन धर्म के उपदेशों को आत्मसात करना चाहिए।''

पटनायक ने वक्फ मामले में पांडियन को दी क्लीन चिट दी

भुवनेश्वर : बीजू जनता दल (बीजद) में वक्फ (संशोधन) विधेयक को संसद में समर्थन देने को लेकर चल रही खींचतान के बीच पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक बुधवार को अपने करीबी सहयोगी वीके पांडियन के समर्थन में सामने आए और स्पष्ट किया कि वह किसी भी पार्टी गतिविधि में शामिल नहीं थे। पूर्व बीजद विधायक प्रवत त्रिपाठी ने पिछले चुनाव में पार्टी की हार के लिए सीधे तौर पर पांडियन को जिम्मेदार ठहराया था। इसका संदर्भ देते हुए पटनायक ने कहा, ''मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि पूर्व विधायक को कुछ साल पहले पार्टी से निकाल दिया गया था क्योंकि उन पर चिट-फंड मामले में आरोप लगे थे और वे कुछ साल जेल में रहे थे। मैं फिर से स्पष्ट करना चाहता हूं कि वे पार्टी से संबंधित नहीं हैं।'' बीजद अध्यक्ष ने पांडियन को क्लीन चिट देते हुए कहा, ''मैं यह भी स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि कार्तिकेयन पांडियन ने अतीत में न केवल राज्य के लिए, बल्कि पार्टी के लिए भी बहुत अच्छा काम किया है। इसलिए, उनकी आलोचना नहीं की जानी चाहिए या उन्हें किसी भी चीज के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने 10 महीने से अधिक समय पहले पार्टी छोड़ दी थी और वह पार्टी की किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हैं।''

तीन बच्चों की मां ने धर्म परिवर्तन कर 12वीं कक्षा के छात्र से विवाह किया

अमरोहा (उप्र) : उत्तर प्रदेश के अमरोहा में तीन बच्चों की मां ने हिंदू धर्म अपनाने के बाद बुधवार को एक मंदिर में 12वीं कक्षा के छात्र के साथ विवाह कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हसनपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत के मुताबिक, पूर्व में शबनम नाम से जाने जानी वाली 30 वर्षीय महिला अब शिवानी बन गई है तथा उसके माता पिता जीवित नहीं हैं और पहले उसकी दो बार शादी हो चुकी है तथा यह उसकी तीसरी शादी है। उन्होंने कहा कि शिवानी ने पहली शादी मेरठ में एक व्यक्ति से की थी, लेकिन उसका तलाक हो गया और इसके बाद उसने सैदनवली निवासी तौफीक से शादी की जो 2011 में एक सड़क दुर्घटना में अपंग हो गया। पंत ने कहा कि हाल के महीनों में यहां के रहने वाले 12वीं कक्षा के छात्र शिवा के साथ उसका संबंध बना और उसने 18 साल के लड़के से शादी कर ली। पुलिस के मुताबिक, पिछले शुक्रवार को शबनम ने तौफीक से तलाक ले लिया और हिंदू धर्म अपना लिया जिसके बाद उसने अपना नाम शिवानी रख लिया और एक मंदिर में शिवा से विवाह कर लिया। शिवा के पिता दाताराम सिंह ने संवाददात-ाओं को बताया कि उन्होंने अपने बेटे के निर्णय का समर्थन किया और परिवार खुश है। उन्होंने कहा,हम यही उम्मीद करते हैं कि दोनों शांति से जीवन बिताएं।

वक्फ संशोधन अधिनियम धर्म की स्वतंत्रता पर हमला और संविधान विरोधी : राहुल

अहमदाबाद : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि संसद से पारित वक्फ संशोधन अधिनियम धर्म की स्वतंत्रता पर हमला और संविधान विरोधी कदम है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने यहां पार्टी के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश की जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से तंग आ चुकी है और अब बदलाव होने वाला है। राहुल गांधी ने कहा, वक्फ विधेयक (अधिनयम) धर्म की स्वतंत्रता और संविधान पर हमला है। यह संविधान विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस से जुड़ी पत्रिका 'आर्गेनाइजर' में ईसाइयों की भूमि को निशाना बनाने की बात की गई है तथा आगे सिख समुदाय के साथ भी ऐसा होगा। राहुल गांधी ने दावा किया देश भारतीय जनता पार्टी से तंग आ गया है और बिहार के विधानसभा चुनाव में यह दिखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, आने वाले समय में बदलाव होने वाला है, लोगों का मूड दिख रहा है। उनके द्वारा संसद में भी जाति जनगणना की मांग उठाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण के रूप में क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। राहुल ने कहा, यह पता लगाना मकसद है कि कितनी किसकी भागीदारी है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने इस बात को दो-हराया कि केंद्र में कांग्रेस और विपक्ष की सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाएगी। साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि निजी क्षेत्र में देश की 90 फीसदी आबादी की भागीदारी ना के बराबर है। उन्होंने कहा कि आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार को तोड़ा जाएगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए दरवाजे बंद कर रहा है।

रगे ने 'गैर-जिम्मेदार' नेताओं को चेताया: रिटायर हो जाना चाहिए

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनावों में कथित जालसाजी के विषय को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और अपनी पार्टी में जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जिम्मेदारी नहीं निभाने वालों को रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने पार्टी अधिवेशन को संबोधित करते हुए मतपत्र से चुनाव की पैरवी की और यह आरोप भी लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने ऐसी तकनीक विकसित कर ली है जिससे चुनावों में उसे फायदा और विपक्ष को नुकसान हो रहा है। खरगे ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, पिछले 11 वर्षों में सत्त-ाधारी दल संविधान पर लगातार चोट कर रहा है। हमारी संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का सदन में आसन से नाम लिया गया, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया, जो लोकतंत्र के लिए लज्जा की बात है।

व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है भारत: विदेश मंत्री जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क का प्रभाव फिलहाल ज्ञात नहीं है और इस स्थिति से निपटने के लिए नयी दिल्ली की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना है। शुल्क को लेकर अमेरिकी नीति पर पहली विस्तृत प्रतिक्रिया के तहत जयशंकर ने कहा कि भारत शायद एकमात्र देश है जो ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद वाशिंगटन के साथ व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए समझ कायम करने के स्तर तक पहुंच गया है। विदेश मंत्री ने भारत समेत लगभग पांच देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लागू होने के कुछ घंटों बाद यह टिप्पणी की है। इससे बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधान और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका पैदा हो गई है। भारत उन देशों में से एक है, जिन्होंने इस मामले पर

प्रतिक्रिया देने में सतर्क रुख अपनाया है। भारत ने कहा कि वह द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। न्यूज 18 राइजिंग इंडिया सम्मेलन में जयशंकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करना संभव है कि इसका क्या असर होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हमने तय किया कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन से जल्द ही बातचीत करेंगे। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि इस साल के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की कोशिश की जाएगी। फरवरी में वाशिंगटन डीसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच बातचीत के बाद, दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक बीटीए के पहले चरण पर बातचीत करने की घोषणा की थी। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भारत एकमात्र देश है, जो वास्तव में सैद्धांतिक रूप से इस तरह की समझ तक पहुंच पाया हैं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का हर देश अमेरिका का सामना करने के लिए अपनी रणनीति बना रहा है और भारत का लक्ष्य ट्रंप प्रशासन के साथ व्यापार समझौता करना है।

जय भिक्षु जय महावीर जय महाश्रमण

विशिष्टताओं के महापुंज थे - भगवान महावीर

- मुनि जिनेश कुमार

भारतीय संस्कृति पर्व प्रधान संस्कृति है। यहाँ जितने भी पर्व मनाये जाते हैं, उनमें अधिकांश पर्व किसी न किसी महापुरुष से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। महावीर जयंती भी भगवान महावीर के जन्म से जुड़ा हुआ पर्व है। इस पर्व को समग्र जैन समाज हर्षोल्लास के साथ मनाता है। भगवान महावीर का जन्म 2623 वर्ष पूर्व वैशाली के क्षत्रिय कुंड ग्राम में चैत्र शुक्ला त्रयोदशी की मध्यरात्रि में हुआ, उनकी माता का नाम त्रिशला एवं पिता का नाम राजा सिद्धार्थ था। रानी त्रिशला के गर्भकाल के दौरान राजा सिद्धार्थ के राज्य में धन-धान्य की अतिशय वृद्धि हुई। इसलिए बालक का नाम वर्द्धमान रखा गया। भगवान महावीर को भिन्न-भिन्न विशेषताओं के कारण उन्हें अनेक नामों से संबोधित किया गया। ज्ञातवंश के होने के कारण वे ज्ञात पुत्र कहलाएं। जंघाचारण मुनि संजय विजय की उन्हे देखते ही शंका निर्मूल हो गई। इसलिए वे सन्मति कहलाए। साधनाकाल में उन्होंने भीषण उपसर्गों को सहन किया, इसलिए वे महावीर कहलाए। अतिवीर, देवार्य, काश्यप आदि अनेक नाम महावीर के प्रचलित नाम थे।

भगवान महावीर भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल नक्षत्र थे। वे ज्योतिर्धर पुरुष व अतीन्द्रिय चेतना के धनी थे। उनका जीवन संयम, साधना और समता से अनुप्राणित था। उनका उपदेश तो मानव जाति के लिए कल्याणकारी बना हुआ है ही, किंतु उससे पहले उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्पद बना हुआ है। उनके जीवन की कुछ विशिष्टताओं का जिक्र कर रहा हूँ, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

1. मातृभक्ति : जब प्रभु महावीर माता त्रिशला के गर्भ में अवस्थित थे, तब का घटना प्रसंग है। गर्भकाल के सात महिने बीत जाने पर एक बार गर्भस्थ शिशु ने अपने अवधि ज्ञान से देखा कि मेरे हलन-चलन से माता को कष्ट हो रहा है, तो उन्होंने गर्भ में शरीर का संयम करते हुए अपने आपको स्थिर कर लिया। इधर माता त्रिशला गर्भस्थ शिशु के हलन-चलन नहीं होने से भावी अशुभ की कल्पना से चिन्तित हो उठी। थोड़ी देर बाद गर्भस्थ शिशु ने अपने ज्ञान से माता को चिन्तित एवं उदास देखा तो तुरन्त हलन-चलन प्रारंभ कर दिया। गर्भस्थ शिशु के हलन-चलन प्रारंभ करने से माता की चिंता दूर हो गई और वह पहले की तरह प्रसन्न हो गई। उस समय गर्भस्थ शिशु ने माता के प्रति उत्कृष्ट भक्ति दिखलाते हुए संकल्प ग्रहण किया, जब तक माता-पिता विद्यमान रहेंगे तब तक मैं दीक्षा नहीं ग्रहण करूंगा। यह संकल्प मातृभक्ति का उत्कृष्ट एवं विरल उदाहरण है। उनका मातृभक्ति का यह संकल्प जब पूर्ण हुआ तभी वे दीक्षा, संन्यास की ओर आगे बढ़े। मातृभक्ति का यह उदाहरण आज जगत् के लिए आदर्श प्रेरणा बना हुआ है। इस कलियुग में माता-पिता के तिरस्कार, अपमान की घटनाएं प्रभु महावीर की याद दिलाती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या मातृभक्ति के पतन की कहानी राष्ट्र निर्माताओं के लिए चुनौती बनी हुई है। भगवान महावीर के मातृभक्ति संदेश में इस समस्या का समाधान नजर आ रहा है।

2. करुणा के महासागर : भगवान महावीर करुणा के महासागर थे। उनकी करुणा जनकल्याण के लिए ही नहीं, अपितु जीवमात्र के कल्याण के लिए थी। साधना काल में भगवान महावीर सर्प के बिल के पास ध्यानस्थ खड़े थे। वह वन क्षेत्र चंडकौशिक सर्प की विष दृष्टि से आतंकित था। दूर-दूर तक उस क्षेत्र में कोई इंसान तो क्या पशु-पक्षी भी दिखाई नहीं देते थे। अपने क्षेत्र में किसी मनुष्य को खड़े देख चंडकौशिक का खून उबलने लगा। उसने प्रभु महावीर को डसा, पर यह क्या महावीर के पांव में रक्तधारा नहीं अपितु दुग्ध की स्नेहसिक्त धारा बह चली। वह प्रभु महावीर को एकाग्रचित्त हो देखने लगा। प्रभु ने उसे संबोध दिया। पतन के पथ पर बढ़ने वाला चंडकौशिक पावनता की सीढ़ी चढने लगा। उसके भीतर अब क्रोध की नहीं, क्षमा और मैत्री की धारा प्रवाहमान होने लगी। प्रभु की करुणा से एक क्रूर एवं पापी सर्प भी करुणा के पावन पथ पर आगे बढ़ चला। प्रभु की ऐसी करुणा से लाखों-लाखों जीवों का कल्याण हुआ। और वे सभी करुणा के सागर में गोते लगाने लगे।

3. अहिंसा के अवतार : भगवान महावीर अहिंसा के अवतार थे, उन्होंने अपने जीवन को अहिंसा की प्रयोगभूमि बनाया। उन्होंने केवल अहिंसा उपदेश ही नहीं दिया, अपितु उसे जीकर दिखाया। उनकी अहिंसा मतमारो तक ही सीमित नहीं है। उनकी अहिंसा में किसी भी जीव के प्रति मन-वचन-काया से हिंसा अकरणीय है। किसी को कष्ट देना भी हिंसा है। उनकी सूक्ष्म अहिंसा में प्राणी मात्र का हित छिपा हुआ है। उनकी वाणी कहती है कि "अहिंसा सव्वभूय खेमंकरी", अर्थात् अहिंसा सभी प्राणियों के लिए कल्याणकारी है। उनके समवशरण में अहिंसा का स्पष्ट प्रभाव देखा जाता है। परस्पर शत्रुभाव प्राणी सांप और नेवला भी समवशरण में मित्रवत हो जाते हैं, उनका शत्रु भाव नष्ट होकर मित्र भाव प्रवर्द्धमान बन जाता है।

भगवान महावीर की अहिंसा को अपनाने से दुनियां में फैल रही अशांति पर लगाम लगाई जा सकती है। युद्ध, हिंसा किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। स्थायी समाधान के लिए अहिंसा की राह ही पकड़नी होगी, क्योंकि अहिंसा ही स्थायी एवं शांतिपूर्ण समाधान दे सकती है।

4. सहिष्णुणता की प्रतिमूर्ति : भगवान महावीर सहिष्णुणता की उत्कृष्ट प्रतिमूर्ति थे। उनकी सहिष्णुता को कोई मानव तो क्या देव-दानव भी खंडित करने में समर्थ नहीं हो सके। उन्होंने अपनी साढ़े बारह वर्ष की साधना में अनेक उपसर्ग सहे। परंतु वे कभी अधीर नहीं बने। ग्वाले ने पैरों में भात पकाया, अज्ञानी लोगों ने उनके पीछे कुत्ते छुड़वाए, उन्हें फांसी के फंदों पर लटकाया गया। संगम देव ने मारणांतिक कष्ट दिए, परंतु महावीर विकट से विकट परिस्थितियों में समभाव से साधना करते रहे। जिसके फलस्वरूप वे साधना के शिखर पर आरुढ़ हुए और उन्होंने केवल ज्ञान प्राप्त किया। जो सहता है, वही अपने लक्ष्य में सफल होता है। सहिष्णुता सफल व्यक्ति की बहुत बड़ी शक्ति होती है। प्रभु के जीवन से सहिष्णुता का अमर संदेश प्राप्त होता है जो सामाजिक समरसता के लिए परम आवश्यक है।

5. समानता के उपदेष्टा : प्रभु महावीर राग-द्वेष से मुक्त थे। इसलिए उन्होंने समानता का उपदेश प्रदान किया। 'आयतुले पयासु' सभी को अपने आत्मा के समान समझें। दूसरों के दुःख को अपने दुःख के समान समझें। इसी सिद्धान्त पर उनके शासन में जातिवाद का कोई स्थान नहीं था। उनके शासन में बाह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र सभी वर्ण के लोग दीक्षित थे। उनमें छुआछूत अथवा भेदभाव का कोई मनोभाव नहीं था। उन्होंने हर भव्य व्यक्ति को मोक्ष प्राप्त करने का अधिकार प्रदान किया। यह उस युग की क्रांतिकारी घटना मानी जा सकती है। भगवान महावीर का यह समानता का उपदेश आज ढ़ाई हजार वर्ष बाद भी मानव के लिए एक शांति, सौहार्द और सामंजस्य की राह दिखलाता है।

आज भगवान महावीर का 2624वां जन्म कल्याणक दिवस मना रहे हैं, प्रभु का अनुपम त्याग आज भी दुनिया के लिए आदर्श बना हुआ है। आज हम सिर्फ भगवान को माने ही नहीं, अपितु भगवान की माने। जिससे व्यक्ति के हर परिवार में सुख-शांति का साम्राज्य स्थापित हो सके। महावीर जयंती का मंगल प्रभाव जन-जन के लिए सुप्रभात बने।

कवि की भाषा में
किस भाषा में करूं आज मैं देव तुम्हारा अभिनंदन।
है सर्वस्व समर्पण तेरे चरणों में त्रिशला नंदन ।।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्
।। जय जिनेन्द्र ।।

भगवान महावीर
2624वां जन्म कल्याणक महोत्सव

सान्निध्य :

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री जिनेश कुमार जी ठाणा-३

गुरुवार, दिनांक 10 अप्रैल 2025
प्रातः 9.30 बजे से

महासभा भवन
3 पोर्तुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता-700001

अहिंसा रैली एवं झांकियों का भव्य आयोजन

रैली तीन क्षेत्रों : हावड़ा नटराज होटल, मित्र परिषद् एवं हरियाणा भवन से आज प्रातः 7.30 बजे प्रारंभ होकर महासभा भवन पहुँचेगी।

आयोजक :

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, कोलकाता

हे प्रभो! यह तेरापंथ

भगवान महावीर जन्म कल्याणक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक :

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

कोलकाता	साउथ कोलकाता	साउथ हावड़ा	उत्तर हावड़ा	पूर्वांचल
सॉल्टलेक	टॉलीगंज	बेहाला	मध्य-उत्तर कोलकाता	उत्तर कोलकाता
लिलुआ	बाली-बेलुड़	उत्तरपाड़ा	हिंदमोटर	रिसड़ा

आचार्य महाप्रज्ञ महाश्रमण एजुकेशन एंड रिसर्च फाउण्डेशन | मित्र परिषद

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, अणुव्रत समिति - वृहत्तर कोलकाता की समस्त शाखाएं

वर्ष 10, पूर्णांक 4202 अंक 012, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in